गैरसैंण, सोमवार
1 दिसम्बर 2025
वर्ष: 17
अंक: 197 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सड़क हादसे में दो की मौत, दो गंभीर घायल

रुद्रपुर। शनिवार रात हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जानकारी के अनुसार ग्राम खेमरी, बिलासपुर निवासी 24 वर्षीय आयुष सिंह पुत्र करन सिंह के रिश्ते के भाई प्रियांशु पुत्र प्रकाश रावत का शनिवार को विवाह था। घर में खुशियों का माहौल था। रात में आयुष शादी में आए अपने दोस्त रोहित पुत्र हनुमान सिंह रावत निवासी पौड़ी गढ़वाल को बस में बैठाने जा रहा था। आयुष कार से अपने साथियों 28 वर्षीय अंशुल बिष्ट पुत्र प्रकाश सिंह बिष्ट निवासी खेमरी बिलासपुर और राजेन्द्र सिंह पांडा पुत्र मोहन सिंह निवासी आदर्श कॉलोनी रुद्रपुर के साथ रवाना हुआ। कार अंशुल बिष्ट चला रहा था। जब कार महतोष मोड़ के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही ट्रैक्टर ट्रॉली से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार सभी युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने आयुष सिंह और अंशुल बिष्ट को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल राजेन्द्र सिंह पांडा और रोहित रावत को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष संजय पाठक ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रसव के दौरान महिला की मौत मामले में डॉक्टर दंपति बरी

रुद्रपुर। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश मीना देउपा की अदालत ने प्रसव के दौरान महिला की मौत मामले में साक्ष्यों के अभाव में आरोपी डॉक्टर दंपति को दोषमुक्त कर दिया। 5 अक्तूबर 2022 को किच्छा थाना क्षेत्र के दोपहरिया गांव निवासी सुरेश ने मुकदमा दर्ज कराया था। बताया कि अपनी गर्भवती पत्नी नीतू को छिनकी स्थित एक प्राइवेट क्लीनिक ले गया था, जहां कथित तौर पर डॉक्टर दंपति ने ऑपरेशन व इंजेक्शन के दौरान लापरवाही की, जिसके कारण महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में अभियुक्त दंपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। मामले की सुनवाई द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश मीना देउपा की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान वादी सुरेश ने कोर्ट में अपने बयान में स्वयं स्वीकार किया कि डॉ.सचिन और डॉ. ज्योति न तो अस्पताल में मौजूद थे और न ही उन्होंने उसकी पत्नी का उपचार या ऑपरेशन किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मृत्यु का कारण प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव बताया गया, लेकिन इसमें कहीं भी किसी गलत इंजेक्शन या चिकित्सीय त्रुटि का उल्लेख नहीं था। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद दंपति को बरी कर दिया।

सड़क हादसे में शिक्षिका की मौत के मामले में केस दर्ज

काशीपुर। ट्रक की टक्कर से कार सवार शिक्षिका की मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जिला मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय, कालेवाला में शिक्षक पद पर कार्यरत नरेश कुमार ने कुंडा थाना पुलिस को तहरीर सौंपी। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी मंजू लता शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापिका के पद पर कंपोजिट विद्यालय बांकेवाला, पंडितपुर में तैनात थीं। 25 नवंबर की रात वे अपनी पत्नी, बेटे कुशाग्र सिंह और बेटी कृतिका के साथ गांधी आश्रम, फतेहपुर में एक शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। वे हल्द्वानी से बाजपुर होते हुए नेशनल हाईवे के रास्ते आ रहे थे। रात लगभग एक बजे जब उनकी कार मुरादाबाद रोड स्थित फ्लाईओवर से नीचे उतर रही थी, तभी एक ट्रक चालक ने बिना किसी संकेत के अंधेरे में तेज गति से ट्रक को पीछे की ओर मोड़ दिया, जिससे ट्रक उनकी कार से जा टकराया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। इस टक्कर में मंजू लता और उनके बेटे को गंभीर चोटें आईं। घायलों को पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। बाद में मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मंजू लता ने दम तोड़ दिया, जबकि बेटे का उपचार जारी है। कुंडा थाना पुलिस ने बताया मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में की उत्तराखंड में शीतकालीन पर्यटन की ब्रॉडिंग

रविवार को प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में ढाई मिनट का अंश उत्तराखंड पर केंद्रित रहा

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में उत्तराखंड के प्रति अपने विशेष स्नेह को प्रकट करते हुए राज्य में विंटर टूरिज्म, साहसिक खेलों, वेडिंग डेस्टिनेशन की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए, देशवासियों से सर्दियों के सीजन में हिमालय की वादियों का अनुभव लेने की अपील की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी, उत्तराखंड टूरिज्म के सबसे बड़े ब्रांड एम्बेस्डर हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यमन की बातह्व कार्यक्रम में करीब ढाई मिनट उत्तराखंड को समर्पित किए। उन्होंने कहा कि इन दिनों उत्तराखंड का विंटर टूरिज्म लोगों को खूब लुभा रहा है। सर्दियों के मौसम में औली, मुनस्यारी, दयारा, चोपता जैसी जगहें लोकप्रिय हो रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ सप्ताह पहले ही पिथौरागढ़ में साढ़े 14 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित आदि कैलाश में राज्य की पहली हाई ऑल्टीट्यूट अल्ट्रा रन मैराथन आयोजित की गई, जिसमें देशभर के 18 राज्यों से 750 से अधिक एथिलीट ने भाग लिया। 60 किमी लंबी आदि कैलाश परिक्रमा रन का प्रारंभ कड़कड़ाती ठंड में सुबह पांच बजे हुआ, इतनी ठंड के बावजूद प्रतिभागियों का उत्साद देखते ही बनता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तीन साल पहले तक आदि कैलाश की यात्रा पर प्रतिवर्ष मात्र दो हजार लोग ही आते थे, अब यह संख्या 30 हजार तक पहुंच गई है।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड में शीतकालीन पर्यटन की प्रशंसा करते हुए कहा कि कुछ ही हफ्तों में उत्तराखंड विंटर गेम्स का भी आयोजन करने जा रहा है, जिसमें प्रतिभाग करने के लिए देशभर के खिलाड़ी, एडवेंचर प्रेमी और खेलों से जुड़े लोग उत्साहित हैं। उन्होंने उत्तराखंड में बढ़ती पर्यटन आधारभूत सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखंड ने विंटर टूरिज्म को बढावा देने के लिए कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष तौर पर फोकस किया है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने होम स्टे के लिए नई पॉलिसी भी बना दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड में डेस्टिनेशन वेडिंग की ब्रांडिंग करते हुए कहा कि सर्दियों की सुनहरी धूप और पहाड़ों से उतरते कोहरे के बीच, उत्तराखंड वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में भी लोकप्रिय हो रहा है। खासकर गंगा जी के किनारे अब खूब डेस्टिनेशन वेडिंग हो रही हैं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि यदि वो, सर्दियों में कहीं जाने का विचार कर रहे हैं तो हिमालय की वादियों को अपने विकल्प के रूप में जरूर शामिल करें, हिमालय की वादियां आपको जीवनभर साथ चलने वाली अनुभूतियों से भर देंगी।

वीकेंड पर पर्यटकों की आमद से गुलजार रही सरोवर नगरी

नैनीताल। वीकेंड पर सरोवर नगरी नैनीताल पर्यटकों से गुलजार रही। शनिवार और रविवार को बड़ी संख्या में सैलानी यहां पहुंचे, जिससे शहर और आसपास के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों पर खासा उत्साह देखा गया। वीकेंड पर पहुंचे पर्यटकों ने स्नो व्यू, हिमालय दर्शन, चिड़ियाघर, केव गार्डन, बॉटनिकल गार्डन, वाटरफॉल, हनुमानगढ़ी और सरिताताल का आनंद लिया। मालरोड पर पूरे दिन सैलानियों की चहल–पहल रही, जबकि नैनी झील में नौकाविहार करने वालों की भीड़ लगी रही। शाम को हनुमानगढ़ी में सूर्यास्त देखने के लिए भी बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे। नैनीताल के अलावा पंगोट, मुक्तेश्वर, रामगढ़, भीमताल, सातताल, कैंची धाम और भवाली में भी पर्यटकों की भारी भीड़ देखी गई। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से पर्यटन कारोबारियों की आय में वृद्धि हुई है। होटल एसोसिएशन के महासचिव वेद साह ने बताया कि वीकेंड पर बढ़ती पर्यटक संख्या से कारोबार में तेजी आई है और होटलों की ओर से पर्यटकों को 30 प्रतिशत तक की छूट भी दी जा रही है।

रिटायर एयरफोर्स सैनिक की गोली मारकर हत्या

हरिद्वार। हरिद्वार के बहादराबाद थाना क्षेत्र में एक रिटायर्ड एयरफोर्स कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 62 वर्षीय मृतक की पहचान भगवान सिंह के रूप में हुई है, जो जमालपुर स्थित जेवीजी कॉलोनी के निवासी थे। जानकारी के अनुसार, देर रात वह अपने बेटे के साथ एक शादी समारोह में जा रहे थे। रास्ते में एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी कार में लिफ्ट मांगी। कुछ दूरी चलने के बाद उसी व्यक्ति ने भगवान सिंह को गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के वक्त कार में उनका बेटा भी साथ में था। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक बीती रात को भगवान सिंह और उनका 22 वर्षीय बेटा यशपाल बीती रात रोशनाबाद किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। ज्वालापुर के पास जटवाड़ा पुल पर उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति ने लिफ्ट लेने के लिए रोक लिया। कार में जगह होने के चलते उन्होंने अज्ञात शख्स को कार में बैठा लिया। थोड़ी दूर चलने के बाद कार में पीछे की तरफ बैठे बदमाश ने भगवान सिंह की सिर से सटाकर गोली चला दी। गोली लगते ही भगवान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली चलते ही बेटा अचानक घबरा गया और उसने कार के इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। कार रुकते ही गोली मारने वाला बदमाश दरवाजा खोलकर अंधेरे में फरार हो गया। आनन–फानन में बेटे ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और परिजनों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और परिजन तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे और घायल भगवान सिंह को अस्पताल ले जाया गया, जहां गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया।

चक्रवात दित्वाह से तमिलनाडु में 3 की मौत, रेड अलर्ट जारी

नईदिल्ली,चक्रवात दित्वाह आज तमिलनाडु और पुडुचेरी से टकरा सकता है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। तूफान से जुड़ी बारिश की घटनाओं में तमिलनाडु में 3 लोगों की मौत हो गई। तूतीकोरिन और तंजावुर में दीवार गिरने से 2 लोग मारे गए हैं, जबकि मयिलादुथुराई में करंट लगने से एक मौत हुई है। तमिलनाडु में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) समेत 28 से ज्यादा टीमों को तैनात किया गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, 29 नवंबर की रात 11:30 बजे तक तूफान 10.7 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 80.6 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। यह वेदारण्यम से लगभग 90 किलोमीटर पूर्व–उत्तर–पूर्व, कराईकल से 90 किलोमीटर पूर्व–दक्षिण–पूर्व, जाफना से 130 किलोमीटर उत्तर–उत्तर–पूर्व, पुडुचेरी से 160 किलोमीटर दक्षिण–दक्षिण–पूर्व और चेन्नई से लगभग 260 किलोमीटर दक्षिण में स्थित था।

आईएमडी का अनुमान है कि यह तूफान अगले 24 घंटों में उत्तरी तमिलनाडु–पुडुचेरी तटरेखा के समानांतर रहेगा। तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण शनिवार को 54 उड़ानें रद्द की गईं। इंडिगो ने जाफना, तूतीकोरिन और तिरुचिरापल्ली की उड़ानें रद्द की हैं। पुडुचेरी विश्वविद्यालय ने छुट्टी घोषित कर दी है और सभी परीक्षाएं भी स्थगित की गई हैं। पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यनम में सोमवार तक स्कूल–कॉलेज बंद रहेंगे। तमिलनाडु में एनडीआरएफ की 14 और पुडुचेरी में 2 टीम तैनात की गई हैं। तमिलनाडु में कई ट्रेनों का समय बदला गया है। तेज बारिश के बाद तमिलनाडु के थूथुकुडी में कई जगहों पर पानी भर गया है। नागपट्टिनम के अरुलमिगु वेदारण्येश्वर स्वामी मंदिर के गर्भगृह में भी जलभराव हो गया है। मंदिर के पुजारी त्यागराजन ने कहा, पिछले 3दिनों से हो रही भारी बारिश की वजह से मंदिर के अंदर पानी जमा हो गया। वेदारण्यम में लगातार भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए हैं और नमक उत्पादन ठप हो गया है। 9,000 एकड़ नमक क्षेत्र प्रभावित हुआ है। श्रीलंका में दित्वाह के कारण बाढ़ और भूस्खलन की चपेट में आकर 150 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। 100 से ज्यादा अभी भी लापता हैं। कोलंबो हवाई अड्डे पर 300 भारतीय यात्री 3 दिन से फंसे हुए हैं। दूतावास ने उन्हें खाने–पीने की सामग्री उपलब्ध कराई है। श्रीलंका की मदद के लिए भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया है और 27 टन राहत सामग्री वहां पहुंचाई है।

एक माह पहले दसऊ से पश्मी गांव पहुंचा चालदा महासू महाराज का बकरा

विकासनगर। अगले माह पहली बार उत्तराखंड से हिमाचल के पश्मी गांव में प्रवास के लिए जा रहे चालदा महासू महाराज के स्वागत को लेकर हिमाचल के पश्मी गांव में तैयारियां जोरों से चल रही हैं, लेकिन इससे एक माह पहले ही दसऊ गांव में विराजमान महाराज का बकरा पश्मी, सिरमौर में पहुंच गया है। इस बकरे को स्थानीय भाषा में घांडुवा कहते हैं। इसे चालदा महाराज का देव चिह्न माना गया है। जौनसार बावर, हिमाचल, रवाईं, जौनपुर, उत्तरकाशी क्षेत्र की आस्था और देव परंपराओं के प्रतीक माने जाने वाले चालदा महाराज के देव चिह्न के रूप में प्रसिद्ध घांडुवा (बकरा) परंपरा निभाते हुए समय से पहले सिरमौर जिले के पश्मी गांव पहुंच गया है। चालदा महाराज का प्रवास अगले महीने जौनसार से हिमाचल के पश्मी गांव के लिए निर्धारित है। स्थानीय लोगों की माने तो महाराज के आगमन से पहले यह बकरा कुछ सप्ताह पूर्व ही निर्धारित स्थल पर पहुंच जाता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यह केवल एक बकरा नहीं, बल्कि देवता की इच्छा और संकेत का प्रतीक है। जिस स्थान पर महाराज की अगली देव यात्रा होती है। वहां यह बकरा स्वतः पहुंच जाता है। हैरानी की बात यह है कि यह बकरा बिना किसी मानवीय दिशा–निर्देश या रोक–टोक के अपनी यात्रा पूरी करता है और हर बार सही स्थान पर पहुंच जाता है। दसऊगांव के ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पहले यह बकरा गांव से रवाना हुआ था और अब इसके पश्मी सिरमौर पहुंचने की पुष्टि हो चुकी है।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक

विपक्ष ने दिल्ली ब्लास्ट, एसआईआर जैसे कई मुद्दे उठाए

नई दिल्ली,। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले रविवार को सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई. शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से शुरू होने वाला है. मीटिंग रविवार सुबह 11 बजे शुरू हुई. संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा और 19 दिसंबर तक चलेगा. केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद के दोनों सदनों के नेताओं से मुलाकात की. केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अर्जुन राम मेघवाल, जेपी नड्डा और दूसरे बड़े नेताओं ने ऑल–पार्टी मीटिंग में हिस्सा लिया. रिजिजू ने कहा कि वे विपक्षी नेताओं की बात सुनेंगे. रिजिजू ने कहा, आज एक ऑल–पार्टी मीटिंग है. हम सभी पार्टियों के नेताओं के साथ बैठेंगे और उनकी बात सुनेंगे. हम आज सरकार की तरफ से ज्यादा कुछ नहीं कहेंगे. हम विपक्षी पार्टियों की बात सुनेंगे. शाम को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग है. लोकसभा की मीटिंग शाम 4 बजे है और राज्यसभा की शाम 5 बजे. हम कमेटी की मीटिंग में अपना बिजनेस पेश करेंगे. उन्होंने कहा, क्योंकि यह शीतकालीन सत्र है हम उम्मीद करते हैं कि हर कोई ठंडे दिमाग से काम करेगा और तीखी बहस से बचेगा. पार्लियामेंट में बहस होगी, और मुझे उम्मीद है कि कोई गड़बड़ी नहीं होगी. अगर हम ठंडे दिमाग से काम करेंगे, तो यह देश के लिए फायदेमंद होगा और संसद सत्र आसानी से चलेगा. ऑल पार्टी मीटिंग में सीनियर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश, टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव, एआईएडीएमके के सांसद एम थंबी दुरई और दूसरे नेताओं ने हिस्सा लिया. ऑल–पार्टी मीटिंग के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा ,शीतकालीन सत्र सिर्फ 19 दिन का है.

मुख्यमंत्री धामी ने किया एबीवीपी के 71 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को परेड ग्राउण्ड, देहरादून में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद 71 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रो. यशवंत राव केलकर युवा पुरुस्कार से गोरखपुर के श्रीकृष्ण पांडेय को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि पांडेय ने ह्यबाल भिक्षावृत्ति निर्मूलन, निस्सहाय मनोरोगियों की सेवा तथा कारागार बंदियों के पुनर्वास की दिशा में कार्य करते हुए सामाजिक उत्तरदायित्व का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री ने देशभर से आये अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले वे भी विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के रूप में विद्यार्थियों के बीच सक्रिय रूप से कार्य करते थे। उन अनुभवों ने उन्हें नेतृत्व और संगठन की समझ देने के साथ ही समाज सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया। वे मूल्य और आदर्श उनके जीवन की आधारशिला की तरह हैं, उन्हें प्रतिदिन अनुशासन के साथ सेवा पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का यह राष्ट्रीय अधिवेशन कोई साधारण आयोजन नहीं है, बल्कि राष्ट्रनिर्माण के पवित्र यज्ञ के प्रति समर्पित ऊर्जावान युवाओं का महासंगम है।

मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि इस मंच से निकलने वाले विचार और संकल्प राष्ट्र निर्माण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे और देश के विकास और सामाजिक प्रगति को नई दिशा प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि 1949 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का निर्माण हुआ, देश एक नए युग की ओर बढ़ रहा था। ऐसे समय में राष्ट्र निर्माण, समाज सुधार और सांस्कृतिक जागरण के लिए एक संगठित, जागरूक, संस्कारित और राष्ट्रवादी छात्रशक्ति की आवश्यकता थी। यह संगठन 77 वर्षों से व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का कार्य करता आ रहा है। विद्यार्थी परिषद राष्ट्र के सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और वैचारिक क्षेत्रों में भी व्यापक परिवर्तन लाने वाली अग्रणी शक्ति बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की युवा शक्ति हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है, जो अपने परिश्रम, प्रतिभा और संकल्प के बल पर सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने की क्षमता रखती है। इस ऊर्जा को सही दिशा और मार्गदर्शन से देश पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित होगा।

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया–राहुल के खिलाफ नई एफआईआर

नईदिल्ली, नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने दोनों नेताओं के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज की है। इसमें आपराधिक साजिश रचकर कांग्रेस से जुड़ी कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) पर धोखाधड़ी से कब्जा करने का आरोप लगाया गया है। एफआईआर में राहुल–सोनिया के अलावा इंडियन ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख सैम पित्रोदा और 3 अन्य लोगों के भी नाम हैं। यह एफआईआर 3 अक्टूबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर दर्ज हुई है। ईडी ने अपनी जांच रिपोर्ट दिल्ली पुलिस के साथ साझा की थी, जिसमें पीएमएलए की धारा 66(2) के तहत अनुसूचित अपराध दर्ज करने की सिफारिश की गई थी। इसमें एजेएल, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेडाइज नामक 3 कंपनियों को भी आरोपी बनाया गया है। डोटेक्स कोलकाता की एक शेल कंपनी है, जिसने कथित तौर पर यंग इंडियन को एक करोड़ रुपये दिए थे। वहीं, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के आरोप पत्र पर संज्ञान लेने का फैसला तीसरी बार टाल दिया है।

शीतकाल के लिए बंद हुए गंगोत्री नैशनल पार्क के गेट

उत्तरकाशी। शीतकाल के लिए गंगोत्री नेशनल पार्क के गेट रविवार को पर्यटकों के लिए बंद कर दिए गए है। पार्क के गेट अब अगले वर्ष एक अप्रैल को खेले जाएंगे। इस वर्ष नेशनल पार्क का दीदार करने के लिए 29,162 पर्यटक पहुंचे। जिनकसे पार्क प्रशासन को 81 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। रविवार को गंगोत्री नेशनल पार्क ने गर्तांगली और कनखू बैरियर के पास स्थित गेट पर ताला लगाकर बंद कर दिए हैं। अब अगले साल देश–विदेश के पर्यटक और पर्वतारोही नेशनल पार्क की सैर कर सकेंगे। इस साल पार्क क्षेत्र में पड़ने वाले गोमुख, तपोवन, केदारताल, रुद्रगैरा, सुंदर वन, नंदन वन, बासुकी ताल, भैंरोघाटी, नेलांग, गर्तांगली व कालिंदी चौखम्बा पास बदरीनाथ ट्रेक पर करीब 29,162 पर्यटकों और पर्वतारोहियों की चहल कदमी रही। पर्यटकों और पर्वतारोहियों की चहलकदमी से पार्क प्रशासन ने करीब 80,96,750 रुपये का राजस्व प्राप्त किया। धराली आपदा के कारण पर्यटकों और पर्वतारोहियों की आमद कुछ इस साल कम रही है। जबकि पिछले साल पार्क क्षेत्र में 31586 पर्यटक और पर्वतारोही नेशलन पार्क में घुमने के लिए आए थे। जिससे पार्क प्रशासन ने 85,11,600 का राजस्व प्राप्त किया था। वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि शीतकाल के लिए गंगोत्री नेशनल पार्क के गेट बंद कर दिए है।

अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बना भारत

रूस और जापान भी पीछे

नई दिल्ली ,भारत दुनिया का तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बन गया है. एशिया पावर इंडेक्स 2025 ने अपनी रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया है. अमेरिका और चीन ही भारत से अधिक पावरफुल हैं. इस इंडेक्स में जिसे भी 40 या उससे अधिक अंक मिलते हैं, वह पावरफुल देशों की सूची में शामिल हो जाता है. इसमें इस समय मात्र तीन देश हैं, ये हैं – अमेरिका, चीन और भारत. अमेरिका को 80.4 और चीन को 73.7 अंक हासिल हुए हैं.एशिया पावर इंडेक्स ने 2018 में ऐसी सूची बनाने की शुरुआत की थी. इसे लोवी इंस्टीट्यूट ने प्रमोट किया. यह एशिया के प्रमुख देशों के शक्ति वितरण का मानचित्रण करती है और समय के साथ शक्ति संतुलन में हो रहे बदलावों पर भी नजर रखती है. इसने 27 देशों की सैन्य, आर्थिक, कूटनीतिक और सांस्कृतिक प्रभावशीलता का विस्तृत आकलन पेश करने के बाद रैंकिंग तय की है. सूचकांक 27 देशों और क्षेत्रों को उनके एक्सटर्नल एनवायरमेंट को शेप देने की उनकी क्षमता के आधार पर रैंक करता है. इसका दायरा पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर में रूस और प्रशांत महासागर में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका तक फैला हुआ है.2025 का संस्करण एशिया में शक्ति के बदलते डिस्ट्रीब्यूशन का अब तक का सबसे व्यापक मूल्यांकन है. इसमें कूटनीति और विदेश नीति के विशेषज्ञों के एक सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर, सूचकांक देशों की आर्थिक स्थिति की तुलना की गई है. यह एक नया संकेतक है.

दिल्ली में तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने 3 पैदल यात्रियों को कुचला, एक की मौत

नईदिल्ली, दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में देर रात एक दुर्घटना में एक राहगीर की मौत हो गई और 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची दिल्ली पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जबकि शव को मुर्दाघर में रखवा दिया। पुलिस कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त कार को जब्त कर लिया और आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी चालक का मेडिकल कराकर उसके नशे में होने का पता लगा रही है।पुलिस ने बताया कि शनिवार रात वसंत कुंज इलाके में स्थित एम्बिएंस मॉल के सामने हिमाचल प्रदेश में पंजीकृत मर्सिडीज जी –वैगन कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और फुटपाथ पर चल रहे 3 लोगों को टक्कर मार दी।

महाराज ने शीतकालीन टूरिज्म को प्रमोट करने के लिए पीएम का जताया आभार

बूथ संख्या–51 पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुना मन की बात का 128वां एपिसोड

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात के 128वें एपिसोड में सर्दियों के मौसम को हिमालय का गोल्डन टाइम बताकर शीतकालीन टूरिज्म को प्रमोट करने के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उत्तराखंड को विंटर टूरिज्म का नया सुपरस्टार घोषित कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 128वें एपिसोड को सुनने के लिए प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने रविवार को कैंट विधानसभा के वंसन्त विहार, बूथ संख्या–51, मां नंदा देवी मण्डल, वार्ड 37 वंसन्त विहार एनक्लेव स्थित पूर्व सूचना आयुक्त जे.पी. ममगांई एवं सोसायटी की अध्यक्ष श्रीमती नमिता ममगांई के आवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मन की बात के 128वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म पर विशेष रूप से चर्चा की और सर्दियों के दौरान औली, मुनस्यारी, चोपता और दयारा जैसे पर्यटन स्थलों का जिक्रकिया है। निश्चित रूप से उनका यह संदेश पर्यटकों को उत्तराखंड की ओर आकर्षित करेगा। पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में उत्तराखंड में स्कीइंग, स्नो–बोर्डिंग, आइस क्लाइंबिंग, स्नो ट्रेकिंग और फैमिली स्नो पार्क की गतिविधियों के विषय में बताते हुए शीतकाल में पर्यटकों को उत्तराखंड आने का सीधा निमंत्रण भी दिया है।

सम्पादकीय

एड्स खात्मे का लक्ष्य

हमारे समाज में एड्स को लेकर आज भी कई भ्रांतियां एवं भेदभाव की भावना है। भारत एड्स बीमारीके खिलाफ अपनी लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। हमारे देश ने राष्ट्रीय एचआईवी रोकथाम को लेकर सबसे व्यापक और मजबूत उपचार कार्यक्रम बनाया है। इसी के परिणाम है कि नई संक्रमण दर 2010 की तुलना में लगभग आधी रह गई है, एड्स से संबंधित मृत्यु दर में 80% की कमी दर्ज की गयी है, उपचार पर रहने वाले लोगों में वायरस नियंत्रण अब 97% से अधिक है और भारत ने पूरी तरह से उपचार योजनाओं को अपनाने के साथ बड़ा बदलाव किया है। हालांकि यह सच्चाई भी स्वीकार करनी होगी कि भारत में यह बीमारी अभी भी विकसित हो रही है और कही कही बढ़ भी रही है। महामारी की मौजूदगी का राष्ट्रीय औसत केवल 0.20% है। यह चौंकाने वाले आंकड़े है कि असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और पंजाब जैसे राज्यों में मुख्य रूप से सुई से नशीली दवाओं के सेवन के कारण घटनाओं के बढ़ने की रिपोर्ट मिली है। सुई से नशीली दवा लेने वाले लोगों में, एचआईवी होने की दर राष्ट्रीय औसत से चालीस गुना अधिक है और कुछ ख़ास स्थानों में इसमें गुणात्मक वृद्धि देखी जा रही है। नए संक्रमणों का बढ़ता हुआ हिस्सा अब संक्रमित व्यक्ति से संसर्ग के रूप में भी देखने को मिल रहा है। उपचार में तरक्की होने के साथ ही वायरस ने भी खुद को ढाल लिया है। यह युवाओं को प्रभावित करता है, अधिक फैलाव वाला है और नई कमजोरियों का फायदा उठा रहा है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए उपचार में एक नई रणनीति की आवश्यकता है। स्वास्थ्य एजेंसियों का 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के लक्ष्य है और यह चार बड़े बदलावों में निहित है। सबसे पहले, भारत की विविध संवेदनशीलता सोच यह मांग करती है कि रोकथाम को रोगियों के अनुसार विकसित किया जाए, जो कि जागरूकता से ही संभव है। संपूर्ण सुरक्षा रूपरेखा के तहत, सार्वभौमिक रोकथाम यह सुनिश्चित करेगी कि हस्तक्षेप, समूहों के बजाय जोखिम वाले व्यक्तियों तक पहुंचे। उपचार के लिए अब यह भी आवश्यक है कि रोगियों की जल्दी पहचान के साथ उनका प्रभावी इलाज, जीवन भर बनाए रखने के दृष्टिकोण पर आधारित होना चाहिए। उपचार का पालन करने और प्रारंभिक निदान के लिए रोगियों से संपर्क बनाए रखने का काम अभी भी जारी है। एड्स आज भी हमारे समाज में जान लेवा माना जाता है। देरी से निदान और गैर–उपचार संक्रमण का सबसे बड़ा कारण है। एड्स रोगियों के प्रति उपेक्षा आज भी घरों, अस्पतालों, कार्यस्थलों और यहां तक कि हमारे समाज में भी मौजूद है और इससे निपटने के लिए जागरूकता की जरूरत है। एचआईवी रोकथाम में भारत की यात्रा कई साहसिक उपलब्धियों से परिपूर्ण रही है। हमारी जैव प्रौद्योगिकी और दवा उद्योग की क्षमता दवाओं, वैक्सीन और उपचार का तेजी से विकास कर सकती है और परिणाम का तेज विस्तार कर सकती है जिससे एड्स की रोकथाम में प्रयासों के लिए सहायता मिलती है।

अमेरिका दुनिया में अछूत बनने की और?

श्रुति व्यास

कौन सोच सकता था कि नियम–आधारित व्यवस्था का अपने को संरक्षक बताने वाला अमेरिका एक दिन दुनिया में अछूत बनने की और होगा? जिसने उदार वैश्विक व्यवस्था बनवाई, नेटो को गूंथा, संयुक्त राष्ट्र का चार्टर लिखा, और दशकों तक दूसरों को वैश्विक ज़िम्मेदारी पर उपदेश दिया, वही उस वास्तुशिल्प से अब मुंह चुरा रहा है, पीछे हट रहा है!

आइजनहावर से लेकर रीगन जैसे सख्त रिपब्लिकन राष्ट्रपतियों के दौर में भी अमेरिका की वैश्विक भूमिका स्थिर रहीष मतबल दुनिया का चौकीदार, अपरिहार्य शक्ति, गठबंधनों का संरक्षक, लोकतंत्र–बाज़ार–आधुनिकता का अगुआ। अमेरिकी शक्ति अंतरराष्ट्रीय जीवन का लंगर थी–अहंकार, उपदेशों और हस्तक्षेपों तथा नेतृत्व के दावे के साथ। वह खुद को वैश्विक लोकतंत्र का माई–बाप मानता था। दुनिया ने भी उस मिथक को खरीदा। दुनिया भर के छात्र उसके विश्वविद्यालयों की ओर भागे, वैज्ञानिक उसकी प्रयोगशालाओं की तथा असंतुष्ट उसकी आज़ादियों की ओर लपके।

सचमुच अमेरिकी ड्रीम घरेलू आकांक्षा से कहीं बड़ा, एक सीमाहीन विचार था। और यह लगातार सिलिकॉन वैली, हॉलीवुड, वॉल स्ट्रीट और उसकी अर्थव्यवस्था के गुरुत्वाकर्षण से पुष्ट होता गया।

लेकिन वह मिथक उसी दिन से दरकना शुरू हुआ जब डोनाल्ड ट्रम्प व्हाइट हाउस में दाखिल हुए। अमेरिका का चुबंक, चमक फीकी हुई और उसकी परतें उखड़ी। जो राष्ट्र प्रवासियों की विविधता से ही बना था, उसने अचानक दीवारों, वापसी और आहत गर्व की नई भाषा बोलनी शुरू कर दी। नतीजतन अमेरिका सिमटने लगा। और आधुनिक इतिहास में पहली बार, अकेले पड़े अमेरिका की कल्पना–गठबंधनों से पीछे हटते, बहुपक्षवाद को छोड़ते, अपनी शिकायतें पालते–एक सैद्धांतिक खतरे से चलकर वास्तविकता बन गई।

पीयू रिसर्च के हालिया सर्वे ने इस बदलाव को बेरहमी से दर्ज किया है। जून की रिपोर्ट बताती है कि प्रमुख लोकतंत्रों में अमेरिकी राष्ट्रपति पर भरोसा ऐतिहासिक स्तर पर गिरा है। अमेरिका के प्रति अनुकूली दृष्टि भी तेज़ी से घटी है। 24 में से 19 देशों में आधे से अधिक लोगों ने कहा कि उन्हें विश्व मामलों में ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा नहीं। पश्चिमी व्यवस्था की जो आधारशिला दशकों तक अमेरिका की विश्वसनीयता रही, वह इसलिए नहीं टूटी कि प्रतिद्वंद्वी उसे कमजोर कर रहे थे–बल्कि इसलिए कि वॉशिंगटन ने स्वयं अपनी भूमिका छोड़ने और बिगाड़ने का निर्णय लिया।

अगर हम इतिहास को देखने दें, तो वह एक दर्पण पेश करता है। व्लादिमीर पुतिन के रूस को एक सुबह अचानक मवाली नहीं कहा गया। उसका अलगाव चरणों में आया। वैश्विक मंशाओं पर उसका अविश्वास, बहुपक्षीय मंचों से चयनात्मक दूरी, संस्थानों के प्रति तिरस्कार ने कभी उसे वैधता दी थी। अंततः यह भ्रम भी बना कि दुनिया को रूस की उतनी ही ज़रूरत है जितनी रूस को दुनिया की। भागीदारी से अधिकार तक की यह मनोवैज्ञानिक छलांग मॉस्को की गिरावट का शुरुआती बिंदु थी।

और वैसे ही शुरुआती संकेत अब वॉशिंगटन में विचलित कर देने वाली समानता से उभरते दिखते हैं। ट्रंप प्रशासन की वैश्विक संस्थाओं के प्रति अवमानना, कूटनीति का लेन–देन में सिमटना, सहयोगियों को संपत्ति के बजाय बोझ समझना, और राष्ट्रीय महानता को साझे प्रयास की जगह अकेली परेड के रूप में देखना–दिखाना। रूस ने दुनिया का धैर्य तब तक परखा जब तक वह खत्म न हो गया। आज वह बाज़ारों से कटा है, विश्वसनीयता से वंचित है, और उसकी महत्वाकांक्षा का पैमाना कुछ तनावपूर्ण दोस्तों पर निर्भर एक कमजोर साझेदारी में सिमट गया है। रूस प्रतिबंधित है, घिरा हुआ और रणनीतिक चौड़ाई से खोखला है। यह रणनीतिक अकेलेपन की चेतावनी है।यों रूस से अमेरिका की तुलना पूरी तरह समान नहीं

है। अमेरिका रूस नहीं है। मगर देश विशेष के अलगाव का गुरुत्व हर जगह एक ही तरह असर करता है। जब कोई राष्ट्र मान लेता है कि उसे दुनिया की ज़रूरत नहीं, तो जल्द ही दुनिया भी मान लेती है कि उसे उस राष्ट्र की ज़रूरत नहीं। अलगाव अकड़ से शुरू होता है और अकेलेपन के सन्नाटे पर खत्म।अमेरिका का अलग–थलग पड़ना व सन्नाटा अब साफ़ सुनाई देने लगा है। कुछ अधिक ही सख्त और भारी मगर सोचा–समझा। बेलें में हुए हालिया कॉप–30 महाअधिवेशन देशों पर नज़र डालिए। 190 देशों के जमावड़े में अमेरिका के प्रति हिकारत थी। जबकि जलवायु कूटनीति हमेशा अमेरिका का नैतिक वैधता जताने का मंच रही है–चाहे वह इसे पूरी तरह निभा न पाया हो। लेकिन ट्रंप ने जलवायु संकट को मज़ाक बना दिया, इसे दुनिया पर थोपा गया सबसे बड़ा छल कहा। इसलिए जब व्हाइट हाउस ने औपचारिक रूप से घोषणा की कि अमेरिका कॉप–30 में कोई उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजेगा, तो यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के राजनयिकों ने एक विचित्र प्रतिक्रिया दीः राहत। मतलब एक खाली अमेरिकी कुर्सी, एक अमेरिकी विध्वंसक से बेहतर थी। आधिकारिक बयान यह था कि राष्ट्रपति राष्ट्रहित को अनिश्चित, हानिकारक जलवायु महत्वाकांक्षाओं के लिए खतरे में नहीं डालेंगे। लेकिन शोर के नीचे संदेश बिल्कुल साफ़ था–देशभक्ति के नाम पर अलगाववाद, दृढ़ता के नाम पर वापसी, और उस वैश्विक व्यवस्था से इंकार जिसे अमेरिका ने कभी जन्म दिया था।ऐसे ही जोहान्सबर्ग में भी अमेरिका की अनुपस्थिति समझी गई। जी–20 बैठक में अमेरिका का न होना किसी साधारण कूटनीतिक संकेत से कहीं अधिक था। एक दरार का अनुभव था। जो देश कभी वैश्विक मंचों की कोरियोग्राफी करता था, वह उसी मंच से अनुपस्थित दिखा। और जब वॉशिंगटन ने समापन समारोह में–अगले मेजबान फ्लोरिडा को प्रतीकात्मक हस्तांतरण के लिए–सिर्फ एक जूनियर दूत भेजने की कोशिश की, तो दृश्य लगभग अनुनय–सा लगा, मानो महान–शक्ति की जिम्मेदारी किसी छोटे काम की तरह सौंप दी जा सके। दुनिया ने एक स्थिर लंगर को बहते हुए देखा–उसकी रस्सी ढीली पड़ती हुई।अमेरिका का यह अकेलापन या अलगाव छिपा नहीं रही। आखिर ट्रंप ने ही नेटो को पुराना बताया था, सहयोगियों को सबके सामने डांटा, और अपना स्नेह लगभग उन्हीं सत्तावादियों के लिए बचाकर रखा जो उसे आर्थिक सौदे या चापलूसी का वादा करते थे। कनाडा, यूरोप और जापान पर व्यापार युद्धों ने रिश्ते थकाए ही नहीं–उन्होंने अपेक्षाओं को बदल दिया। सहयोगियों ने चुपचाप बैक–अप योजनाएँ बनानी शुरू कीं–साझेदारियों में विविधीकरण, रणनीतिक दांव–पेंच–त्याग की तैयारी का कूटनीतिक, नम्र तरीका।

फिर आया कल्पनाशील भू–राजनीतिक रंगमंच–ग्रीनलैंड खरीदने की चाहत, कनाडा को 51वाँ राज्य बनाना, पनामा नहर वापस लेने की बातें। मेक्सिको या वेनेजुएला के हिस्सों में हस्तक्षेप पर विचार। जो बातें पहले हँसी में उड़ जातीं थी, उन्हें अचानक नीति की तरह बोला गया। जाहिर किसी संवैधानिक गणराज्य (अमेरिका) की भाषा कूटनीतिज्ञों को पुतिन–शैली की भू–राजनीतिक कल्पना जैसी लगी। यह जानने का शायद ही कोई मतलब था कि यह उकसाहट थी या सच्चा इरादा–असर एक–सा था। अमेरिका की इमेज अब नियम–निर्माता से एक अविश्वसनीय शक्ति–दलाल में बदल गई है।

ट्रंप अब पुतिन के विश्वदृष्टिकोण को सिर्फ दोहराते नहीं, बल्कि उसे पुनरुत्पादित कर रहे है। शिकायत–केंद्रित राजनीति, संस्थाओं पर अविश्वास, सीमाओं को उकसाने का लालच, प्रदर्शनकारी मर्दानगी–मानो वॉशिंगटन और मॉस्को अब वैचारिक विरोधी नहीं रहे, बल्कि एक जैसी मनोवैज्ञानिक भाषा साझा करने लगे हों। क्रेमलिन की जो प्रवृत्ति दशकों से रूस को चलाती रही, उसकी झलक व्हाइट हाउस में दिखने लगी। अमेरिकी विशिष्टता में लिपटी, लेकिन बिल्कुल पहचानी जाने वाली। ट्रंप जितना पुतिन की सोच और ताकत की प्रशंसा करते गए, उससे उनकी अपनी राजनीति उसी सत्तावादी प्लेबुक की छाया में आ गई, जिसे अमेरिका कभी रोकने का दावा करता था। दुख यह नहीं कि ट्रंप पुतिन की प्रशंसा करते हैं–दुख यह है कि वे उसकी तरह शासन करने लगे, सुपरपावर आत्मविश्वास और निरंकुश कल्पना की रेखा धुंधली करते हुए। और हर ऐसे मोड़ के साथ, अमेरिका उस दुनिया से दूर हो रहा है जिसे उसने आकार दिया था। और वह उस अकेलेपन के करीब जा रहा है जिसमें मॉस्को वर्षों से जीता आया है।

दो राष्ट्र जो कभी अपनी–अपनी सदियों के स्वामी थे, आज विचलित कर देने वाली समान राहों पर खड़े दिखते हैं। उनकी शुरुआतें जितनी भिन्न, उनका गिरना उतना ही मिलता–जुलता–महाशक्तियाँ अपने भीतर सिमटती हुईं, सहयोगियों से संदेह, संस्थाओं से अवमानना, और उस सहकारी ताने–बाने का टूटना जो कभी वैश्विक अव्यवस्था को बाँधे रखता था।

सो शीत युद्ध के बाद पहली बार, दुनिया चुपचाप एक ऐसे भविष्य की तैयारी कर रही है जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका केंद्र में नहीं होगा। और जैसे ही वॉशिंगटन डगमगाता है, बीजिंग आगे आता है–किसी व्यवस्था के संरक्षक की तरह नहीं, बल्कि एक नई, असममित व्यवस्था के वास्तुकार की तरह। उसका उदय शोरगुल वाला नहीं–धीमा, पद्धतिगत, अवसंरचनात्मकः व्यापार गलियारे, खनिज मार्ग, डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र, ग्लोबल साउथ की धैर्यपूर्ण कूटनीति से है। इसी बीच रोम से नई दिल्ली तक लोकलुभावन नेता राजनीति को शिकायत और आत्म–संयम पर नया रूप दे रहे हैं–जबकि वैश्विक संकट ठीक उलटा मांग रहे हैं। इस माहौल में बहुपक्षवाद सिर्फ कमजोर नहीं–बिखर रहा है। 1945 के बाद बनी संस्थाएँ 2025 की उस दुनिया को संभाल नहीं पा रहीं जहाँ हर बड़ी शक्ति अपने ही कोने, अपनी ही सच्चाई, अपनी ही सुरक्षा के लिए लड़ रही है। यही इस क्षण की सबसे काली सच्चाई हैः जब नियम–आधारित व्यवस्था का संरक्षक मंच छोड़ देता है, दुनिया ज्यादा मुक्त नहीं होती–वह और अकेली, और महीन, और कहीं अधिक शिकारी होने की दिशा में है।

एसआईआर कर्मचारी पर डेडलाइन का दबाव

अजीत द्विवेदी

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक जरूरी कदम है। मतदाता सूची की शुद्धता बहाल करने के लिए पूरे देश में निश्चित रूप से एसआईआर होना चाहिए। बिहार में इसका लाभ दिखा है। करीब 70 लाख नाम मतदाता सूची से कटे और कुछ राजनीतिक आपत्तियों को छोड़ दें तो कहीं से वास्तविक मतदाताओं की ओर से इसका विरोध नहीं हुआ। मतदाता सूची के शुद्ध होने का असर यह हुआ कि बिहार में पहली बार मतदान प्रतिशत 65 से ऊपर गया। कई अखबारों ने आंकड़ों के साथ बताया कि किसी भी जाति, धर्म या क्षेत्र विशेष में अप्रत्याशित रूप से या अनुपात से ज्यादा नाम नहीं कटे हैं।

इसलिए पूरे देश की मतदाता सूची का शुद्धिकरण होना चाहिए। मृत मतदाताओं, स्थायी रूप से शिफ्ट कर चुके मतदाताओं और एक से ज्यादा जगह नाम वाले मतदाताओं के नाम निश्चित रूप से काटे जाने चाहिए। यह अच्छा कदम है लेकिन क्या इस अच्छे कदम को लागू करने की जिद में किसी हद तक जाया जा सकता है? क्या इसे लागू करते हुए जमीन पर सामने आ रही वास्तविक समस्याओं की ओर ध्यान देने की कोई जरुरत नहीं है? क्या इसकी कुछ बुनियादी गड़बड़ियों को ठीक नहीं किया जाना चाहिए? इन सवालों का जवाब यह है कि चुनाव आयोग को निश्चित रूप से अपनी जिद छोड़नी चाहिए और जमीनी समस्याओं को समझते हुए उसे दूर करना चाहिए।

चुनाव आयोग को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का विरोध राजनीतिक लग सकता है या तमिलनाडु के एमके स्टालिन और केरल के पिनरायी विजयन का विरोध राजनीतिक लग सकता है। वहां बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ के प्रदर्शन, विरोध, काम पर नहीं आने आदि के पीछे राजनीति देखी जा सकती है। लेकिन भाजपा शासित राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश या राजस्थान से जैसी खबरें आ रही हैं, चुनाव आयोग उनकी अनदेखी क्यों कर रहा है? कम से कम उन्हें तो आधार बनाया जाए और जरूरी सुधार किए जाएं?गुजरात के गिर सोमनाथ जिले की हृदयविदारक घटना से भी क्या चुनाव आयोग के दिल में ख्याल नहीं आया कि कुछ सुधार किया जाए? गिर सोमनाथ जिले के 40 साल के एक शिक्षक अरविंद मुलजी वाधेर ने एक बेहद भावुक पोस्ट लिख कर आत्महत्या कर ली। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, कोडिनार के छारा कन्या प्राथमिक स्कूल में शिक्षक अरविंद ने फांसी लगाकर जान दे दी। अपनी पत्नी के नाम सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा, 'मैं अब यह एसआईआर का काम नहीं कर सकताज् मैं पिछले कुछ दिनों से लगातार थका हुआ और मेंटली स्ट्रेस में महसूस कर रहा हूं। अपना और हमारे बेटे का ख्याल रखना। मैं तुम दोनों से बहुत प्यार करता हूंज् लेकिन अब मेरे पास यह आखिरी कदम उठाने के अलावा कोई चारा नहीं है।

भारत की कठिनाइयां बढ़ी

शेख हसीना के खिलाफ ट्रिब्यूनल के फैसले से बांग्लादेश में सियासी मेलमिलाप की संभावना और घट गई है। दूसरी तरफ इससे भारत की कठिनाइयां बढ़ी हैं। देश छोड़ने के बाद से हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री भारत में रह रहे हैं। जब किसी देश में सत्ता तंत्र में आमूल बदलाव आ जाता है, तो पूर्व शासन से संबंधित अधिकारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई या उन पर चले मुकदमों की निष्पक्षता हमेशा संदिग्ध रहती है। ऐसे मामलों में अक्सर बदले की भावना से कार्रवाई होती है, जिसमें अभियुक्तों को अपना बचाव करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिलते। बांग्लादेश में जो हुआ, वह भी इस सामान्य चलन से अलग नहीं है। बांग्लादेश के कथित इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी माना है और उन्हें सजा–ए–मौत सुना दी है। यही दंड हसीना सरकार में गृह मंत्री रहे असदुजम्मां खान कमाल को भी सुनाया गया है। ट्रिब्यूनल ने हसीना को उन कथित अपराधों के लिए दोषी पाया, जो पिछले साल सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान हुए थे। इन प्रदर्शनों में करीब 1,400 लोगों की मौत हुई। ट्रिब्यूनल के ताजा फैसले से बांग्लादेश में सियासी मेलमिलाप की संभावना और घट गई है। दूसरी तरफ इससे भारत की कठिनाइयां बढ़ी हैं। अगस्त 2024 में देश छोड़ने के बाद से हसीना और कमाल दोनों भारत में रह रहे हैं। अब चूंकि वे दोनों सजायाफ्ता मुजरिम हैं, इसलिए उन्हें पनाह दिए रहना भारत के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि है। बांग्लादेश ने इसके तहत शेख हसीना और कमाल को वापस भेजने की मांग रख दी है।

महेश बाबू के भतीजे जयकृष्ण की डेब्यू फिल्म का टाइटल हुआ जारी

घट्टामनेनी परिवार का एक और हीरो डेब्यू कर रहा है। निर्माताओं ने हाल ही में नई फिल्म श्रीनिवास मंगापुरम का टाइटल पोस्टर जारी किया है, जिसका निर्देशन अजय भूपति कर रहे हैं और इसमें सुपरस्टार कृष्णा के पोते और रमेश बाबू के बेटे जयकृष्ण मुख्य भूमिका में हैं। कुछ दिनों तक फिल्म के एक ही टाइटल की घोषणा के बाद, निर्माताओं ने आखिरकार स्पष्टता दे दी है। तिरुपति में सेट इस फिल्म में बॉलीवुड की स्टार हीरोइन रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी जयकृष्ण की भूमिका निभा रही हैं। स्वप्ना दत्त और पी. किरण द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित इस फिल्म ने टाइटल पोस्टर से ही दर्शकों के बीच काफी रुचि जगा दी है।

पोस्टर में नायक और नायिका एक ही बंदूक पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि टैगलाइन दो जीवन झ्र एक यात्रा, दो हाथ झ्र एक शपथ, दो दिल झ्र एक भाग्य कहानी में भावना का संकेत है। पोस्टर, जो जयकृष्ण को घट्टामनेनी के उत्तराधिकारी के रूप में एक स्टाइलिश और गहन रूप देता है, उम्मीदें बढ़ा रहा है कि यह उनका सबसे अच्छा लॉन्च होगा। 'आरएक्स 100झ् से सनसनी मचाने वाले अजय भूपति 'महा समुद्रमझ् और 'मंगलवरमझ् जैसी फिल्मों के बाद अपने चौथे प्रोजेक्ट के रूप में 'श्रीनिवास मंगापुरमझ् लेकर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि हमेशा गहराई वाली कहानियों को चुनने वाला यह निर्देशक इस बार भी दर्शकों के सामने कहानी का एक नया अंदाज पेश करेगा। तिरुपति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस प्रेम कहानी का क्रेज़ पहले से ही बढ़ रहा है।

भारतीय सीनियर और जूनियर हॉकी टीम ने की गोलों की बौछार, एक ने दागे 14 तो ने दूसरे ने दाग दिए 17 गोल

नईदिल्ली, भारत की सीनियर और जूनियर हॉकी टीम इस समय शानदार खेल का प्रदर्शन कर रही है. सीनियर पुरुष टीम मलेशिया में सुल्तान अजलान शाह कप में अपने जौहर दिखा रही है तो जूनियर पुरुष टीम वर्ल्ड कप में अपना दबदबा बनाए हुए हैं.

दोनों टीमों ने 29 नवंबर को शानदार खेल का प्रदर्शन किया और अपने अपने विरोधियों को बड़े मार्जिन से मात दी. जहां सीनियर खिलाड़ियों ने कनाडा को 3 के मुकाबले 14 गोल दाग कर मात दी और टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया तो वहीं जूनियरों ने ओमान के खिलाफ 17 गोल दाग कर मैच अपने नाम कर लिया. भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की चेन्नई में जारी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में ये दूसरी जीत है. इससे पहले उन्होंने चिली को 7–0 से हराया था. लेकिन ओमान के खिलाफ उनका प्रदर्शन अद्भुत था, क्योंकि मैच में तीन तीन खिलाड़ियों ने गोल की हैट्रिक बनाई जबकि तीन खिलाड़ियों ने दो – दो गोल किए.

हैट्रिक करने वाले में मनमीत सिंह, अर्शदीप सिंह और दिलराज सिंह का नाम शामिल है जबकि दो–दो गोल करने वालों में अजीत यादव, गुरजोत सिंह और इंगालेम्बा थौनाओजम लुवांग का नाम शामिल है. ओमान के खिलाफ 17–0 से जीत दर्ज करने के बाद भारत पॉइंट्स टेबल में स्विट्जरलैंड से 24 गोल आगे टॉप पर पहुंच गया है. अब भारतीय जूनियर टीम का

अगला मैच दो दिसंबर को स्विट्जरलैंड के खिलाफ होगा. वहीं दूसरी ओर भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अजलान शाह कप में 5 मैचों में 4 जीत और एक हार के साथ कुल 12 पॉइंट्स अर्जित किए, जिससे वो तालिका में दूसरे नंबर पर है और अब उसका फाइनल टॉप बैठी बेल्जियम की टीम से होगा, जिसने 5 मैचों में एक भी मैच हारे बिना 13 अंक हासिल किए हैं. अब दोनो टीमें आज यानी 30 नवंबर को खिताबी मुकाबले में आमने सामने होंगी. इससे पहले जब लीग मैच में दोनों टीमें भिड़ी थी तो भारत को बेल्जियम से सिर्फ एक गोल से हार का सामना करना पड़ा था. अब देखना ये होगा किया क्या भारत अपना बदला फाइनल जीतकर ले पाता है या नहीं.

रिलीज हुआ तुलसी कुमार का नया ट्रैक शर्तान

वॉल्यूम बढ़ाने के लिए तैयार हो जाएं, क्योंकि तुलसी कुमार अपनी नई डांस बैंगर शर्तान के साथ एक बार फिर आग लगा रही हैं। अब वो दौर गया जब टूटे दिलों पर आँसू बहाए जाते थे। अब महिलाएँ उठती हैं, खुद को फिर से बनाती हैं और अपनी कहानी खुद लिखती हैं। यह गाना तुलसी के एक बिल्कुल नए अवतार को सामने लाता है, जिसमें एक ताज़ा वोकल टोन है और कोरियोग्राफी जो ट्रैक की एनर्जी से मेल खाती है। फ्रीस्टाइल फ्यूज़न में हल्की–सी बॉली स्वैग की झलक के साथ।अभिजीत श्रीवास्तव के संगीत और शायरा के लिखे बोलों से सजा शर्तान प्लेलिस्ट्स पर राज करने के लिए तैयार है। यह ग्रूव को ग्लोबल पॉप एनर्जी के साथ मिलाता है, जिसमें इंफेक्शियस बीट्स और एक ऐसा हुक है जो लंबे समय तक दिमाग में बस जाता है। इसका वाइब ब्राइट, इंटरनेशनल और भारतीय दर्शकों के लिए एकदम परफ़ेक्ट है। रंजू वर्गीज द्वारा निर्देशित म्यूज़िक वीडियो एक विजुअल ट्रिप है, जो एक सुररियल, लाइफ–साइज़ डॉलहाउस में सेट है, जहां रंग, मूड और मूवमेंट मिलकर ग्लिटर से सराबोर बगावत की कहानी बयां करते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर एक हफ्ते से पहले ही लाखों में सिमटी 120 बहादुर की कमाई

बॉक्स ऑफिस पर 120 बहादुर और मस्ती 4 धीमी रफ्तार से चल रही हैं। पहले हफ्ते में दोनों ही फिल्मों ने बजट के हिसाब से कम कमाई की है। दे दे प्यार दे 2 भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही है। ऐसे में आइए जानते हैं इन फिल्मों ने गुरुवार को कितना कलेक्शन किया है? 21 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली फिल्म 120 बहादुर ने बॉक्स ऑफिस पर एक हफ्ता पूरा कर लिया है। फरहान अख्तर की इस फिल्म ने पहले दिन 2.25 करोड़ रुपये से खाता खोला था। रविवार को इसने सबसे ज्यादा चार करोड़ रुपये की कमाई की। गुरुवार को फिल्म की कमाई 90 लाख रुपये रही। इस तरह से इस फिल्म ने एक हफ्ते में 15 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी की अदाकारी वाली फिल्म मस्ती 4 ने ओपनिंग डे पर 2.75 करोड़ रुपये से खाता खोला था।

16 छक्के, 8 चौके! आईपीएल 2026 से पहले अभिषेक शर्मा ने तूफानी शतक जड़कर मचाया तहलका

नईदिल्ली,सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में रविवार 30 नवंबर को टी20 क्रिकेट के नंबर वन बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 12 गेंद में फिफ्टी और 32 गेंदों में सेंचुरी जड़कर तहलका मचा दिया. शर्मा जी के बेटे की ये पारी बंगाल के खिलाफ जिमखाना ग्राउंड हैदराबाद में आई, जहां उन्होंने मोहम्मद शमी और आकाशदीप जैसी बॉलिंग लाइनअप के सामने 52 गेंदों पर 148 रन बनाए, जिसमें 16 छक्के और 8 चौके शामिल थे. अभिषेक ने पहली गेंद से ही ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और 12 गेंदों में हाफ सेंचुरी बनाई, जो पुरुषों के टी20 क्रिकेट में किसी भारतीय की ओर से संयुक्त रूप से तीसरी सबसे तेज फिफ्टी और संयुक्त रूप से दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है. उन्होंने अपनी फिफ्टी पूरी करने के लिए पांच चौके और पांच छक्के लगाए,

और इस लैंडमार्क तक पहुंचने के लिए उन्होंने जिन 12 गेंदों का सामना किया, उनमें सिर्फ एक डॉट बॉल रही. इसके साथ 25 वर्षीय ये बल्लेबाज टी20 क्रिकेट में 12 गेंदों में फिफ्टी बनाने वाले पांचवां खिलाड़ी बन गया.

पुरुषों के टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी ने सितंबर 2023 में हांग्जो एशियन गेम्स में मंगोलिया के खिलाफ 9 गेंदों में बनाई थी. भारत के आशुतोष शर्मा 2023–24 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रेलवे के लिए 11 गेंदों में फिफ्टी बनाकर लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं. क्रिस गेल ने जनवरी 2016 में एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए बिग बैश लीग में यह उपलब्धि हासिल की थी. बाद में, अक्टूबर 2018 में, अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई ने शारजाह में अफगानिस्तान प्रीमियर लीग मैच में बल्ख लेजेंड्स के खिलाफ काबुल जवान के लिए खेलते हुए इस रिकॉर्ड की बराबरी की.

एक नजर

शिक्षक संघ का अधिवेशन दो से

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीय शिक्षक संघ जनपद पौड़ी इकाई की षष्टम द्विवार्षिक जिला अधिवेशन व शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी 2 एवं 3 दिसंबर को जनता इंटर कॉलेज मोटाढाक कोटद्वार में आयोजित की जायेगी। रविवार को जानकारी देते हुए संगठन के जिला संरक्षक जयदीप रावत ने बताया कि गोष्ठी के दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के साथ ही संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन भी किया जायेगा।

ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः ग्राम स्तर पर सूखे व गीले कूड़े के पृथकीकरण को प्रभावी बनाने के लिए ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत स्तर पर बैठकों का आयोजन करेंगे। वहीं ग्रामीण बाजारों व कस्बों में व्यापारियों को कूड़ा निस्तारण एवं स्वच्छता के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए खंड विकास अधिकारी व्यापार मंडलों के साथ बैठकें करेंगे। मुख्यविकास अधिकारी ने अफसरों को यह निर्देश दिए है। मुख्यविकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने बताया कि नगर निकायों की स्वच्छता व्यवस्था, औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण, सॉलिड वेस्ट प्रबंधन तथा मेडिकल वेस्ट निस्तारण को लेकर अफसरों को निर्देश दिए गए है।

नगर पालिका ईओ ने ली ठेकेदारों की बैठक

रुद्रप्रयाग। नगर पालिका में विकास कायी को बेहतर और गुणवत्तापरख बनाने के लिए पालिका के अधिशासी अधिकारी ने नगर पालिका में पंजीकृत ठेकेदारों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर में जो भी विकास कार्य किए जाएं, उनमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। नगर पालिका सभागार में पंजीकृत ठेकेदारों की बैठक लेते हुए अधिशासी अधिकारी हरेंद्र चौहान ने कहा कि नगर में जो भी रास्ते बनेंगे उनमें नगर के लोगों ने ही चलना है। पुश्ते, पार्किंग, नालियों आदि के निर्माण भी गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। घटिया निर्माण किसी भी दशा में बर्दास्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने ठेकेदारों को हिदायत देते हुए कहा कि नगर के विकास में जिम्मेदारी के साथ कार्य करें ताकि नगर पालिका द्वारा कराए जा रहे कायी के प्रति जनता का भी विश्वास बना रहे। इस दौरान ठेकेदारों ने भी गुणवत्ता को लेकर अपनी सहमति दी और बेहतर कार्य करने का भरोसा दिया। इस मौके पर 25 से अधिक ठेकेदार मौजूद थे।

ओलम्पिक गेम्स के वाटर स्पोर्ट्स टिहरी झील में हों: किशोर

नई टिहरी। टिहरी झील में आयोजित इंटरनेशनल प्रेसीडेंट कप 2025 और चतुर्थ टिहरी वाटर स्पोर्ट्स कप 2025 की प्रतियोगिताओं के समापन मौजूद टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि ओलम्पिक गेम्स के वाटर स्पोर्ट्स खेल टिहरी झील में होने चाहिए। इससे टिहरी झील में कई स्थापना सुविधाओं का सृजन होगा और टिहरी झील अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर अपना पहचान बनाने में भी कामयाब होगी। इसके अलावा टिहरी जनपद के विकास के लिए व यहां पर पलायन को हतोत्साहित करने व रोजगार सृजन के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए मेडिकल कालेज की स्थापना की कार्यवाही गतिमान है। जिसमें सभी लोगों की भागीदारी जरूरी है। मेडिकल कालेज स्थापना के हर स्तर पर पैरवी पर भी जरूरी है। खेलों की दिशा में टिहरी जनपद एक अलग पहचान बनाये। इसके लिए लगातार वह टिहरी में एक अंर्तराष्ट्रीय स्तर का खेल स्टेडियम बनाने की मांग कर रहे हैं। खेल स्टेडियम यहां बनने से खेलों के प्रति युवाओं का रुझान तेजी से बढ़ेगा ओर खेलों में पहाड़ के युवा भी अपना कैरियर तेजी से बनाएंगे।

पहली बीडीसी बैठक में समस्याओं पर हुई चर्चा

नई टिहरी। कीर्तिनगर ब्लॉक सभागार में पहली बीडीसी बैठक संपन्न हुई। जिसमें ब्लाक की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। बीडीसी में यहां से तीन बार ब्लाक प्रमुख रहे पूर्व काबीना मंत्री स्व दिवाकर भट्ट को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। सदन में क्षेत्र पंचायत सदस्य रानीहाट मनोज जोशी ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों को मानदेय देने की बात रखी। मल्ली रिगोली की प्रधान लीला देवी ने कहा कि रिगोली में पेयजल कि किल्लत होने से लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होने जल्द से पेयजल आपूर्ति को सूचारू किए जाने की मांग की। ज्येष्ठ प्रमुख जगतराम रतूड़ी ने चौरास क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति को सुचारू किए जाने को कहा।

विवादों में लटका रेन बसेरा, गरीब पर पड़ेगी ठंड की मार

कोटद्वार के मालगोदाम तिराहे पर नगर निगम की ओर से बनाया जा रहा रैन बसेरा

जयन्त प्रतिनिधि।
गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में धीरे-धीरे ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। लेकिन, कोटद्वार के गाड़ीघाट में गरीब को ठंड से बचाने के लिए बनाया गया रेन बसेरा विवादों में लटका हुआ है। हैरानी की बात तो यह है कि नगर निगम प्रशासन की ओर से भी इस विवाद को सुलझाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए जा रहे।

दरअसल, वर्ष 2019 में नगर निगम ने मालगोदाम तिराहे के समीप खंडहर हो चुके कांजी हाउस को तुड़वा कर वहां रैन बसेरा बनाने की योजना बनाई। इसके लिए बाकायदा शासन को करीब 1.30 करोड़ का प्रस्ताव भी भेजा गया। शासन ने रैन बसेरा निर्माण को 98.45 लाख की धनराशि स्वीकृत करते हुए चालीस लाख रुपये अवमुक्त कर दिए थे। योजना के अनुसार, रैन बसेरा के भूतल पर किचन व दिव्यांगों के रहने की व्यवस्था होनी थी। जबकि, प्रथम तल पर महिलाओं, द्वितीय और तृतीय तल पर पुरुषों के रहने की व्यवस्था के साथ ही शौचालय और स्नानघर

मुद्दे को सुरझाने के लिए नगर निगम गंभीरता से नहीं दे रहा ध्यान

बनाया जाना था। डेढ़ वर्ष तक चले निर्माण कार्य के बाद तीन मंजिला ईंटों का भवन भी खड़ा हो गया था। लेकिन, 2021 में निर्माण कार्य पर ब्रेक लग गए। दरअसल, जिस भूमि पर रैन बसेरा निर्माण हो रहा था, रेलवे ने उसे अपनी भूमि बताते हुए निर्माण कार्य रुकवा दिया। हालांकि, इसके बाद रेलवे, नगर निगम व प्रशासन के अधिकारियों ने रैन बसेरा की भूमि का निरीक्षण किया था। लेकिन, वर्षों पुरानी भूमि के पर्याप्त दस्तावेज न मिलने के कारण स्थिति साफ नहीं हो पाई थी कि आखिर भूमि नगर निगम की है या रेलवे की। पांच वर्ष से अधिक समय बीत गया है। लेकिन, आज भी स्थिति पूर्ववत ही है।

शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत एक वार्ड में शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मामले में पीड़िता के परिवार की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई। जिसमें उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में उसके पड़ोस में रहने वाले उसके ताऊके लड़के महबूब ने उससे शादी का वादा किया। बताया कि शादी का झांसा देकर महबूब ने उससे कई बार दुष्कर्म भी किया। साथ ही समय-समय पर उससे पैसे भी लेता था। बताया कि एक दिन उसे कहीं से जानकारी मिली की महबूब ने पहले ही किसी लड़की से शादी की हुई है। जब उसने महबूब से इस बारे में जानकारी ली

कोतवाली पुलिस की हिरासत में दुष्कर्म का आरोपी

तो वह उल्टा उससे अभद्रता करने लगा। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि पीड़िता के बयान के बाद मुकदमा दर्ज कर उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर के अंतर्गत किरतपुर निवासी महबूब को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया कि महबूब वर्तमान में इंदिरानगर आमपड़ाव में रह रहा था।

महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में दिखी सांस्कृतिक छटा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः महाविद्यालय पौड़ी के वार्षिकोत्सव में कला, संगीत और वाद्य प्रस्तुति का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशिक्षणरत बाल कलाकारों ने तबला, हारमोनियम, तानपूरा और गायन प्रस्तुतियों के माध्यम से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विविध छटाएं बिखेरीं। छात्रों की लय, ताल व सुरों की सटीक पकड़ ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। रविवार को प्रेक्षागृह में आयोजित वार्षिकोत्सव में नन्हें कलाकारों ने राग-रागिनियों की सुगंध, तबला के बोलों और वीणा के मधुर तारों से ऐसा वातावरण बनाया कि हॉल तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम में तबला वादन प्रस्तुतियों ने बेहद प्रभाव छोड़ा, जहां विद्यार्थियों ने धमार, तीनताल और किशोर भावों में तालों का विस्तार प्रस्तुत किया।हारमोनियम पर राग आधारित धुनों ने वातावरण को शास्त्रीय सौंदर्य से भर दिया। तानपूरा वादन ने भारतीय संगीत की परंपरागत गरिमा को सजीव रूप में सामने रखा। मुख्य अतिथि जिला सूचना अधिकारी ने कहा कि संगीत मनुष्य का अंतरतम जगाने की शक्ति रखता है। यह केवल कला नहीं बल्कि ध्यान और साधना है। कहा कि भातखंडे महाविद्यालय के बच्चों की प्रस्तुतियां सुनकर यह स्पष्ट है कि हमारे यहां आने वाली पीढ़ी संगीत की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से न सिर्फ प्रतिभा निखरती है बल्कि समाज में कला के प्रति सम्मान भी बढ़ता है। उन्होंने बच्चों को संगीत साधना में निरंतरता बनाए रखने की प्रेरणा दी और शिक्षकों व अभिभावकों के योगदान की भी प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि वार्ड सभासद संगीता रावत ने कहा कि बच्चों को मंच देना ही भविष्य की प्रतिभा को दिशा देना है। इस मौके पर भातखंडे हिंदुस्तानी संगीत महाविद्यालय के प्रधानाचार्य अनिरुद्ध सिंह बिष्ट, संगीत शिक्षक प्रमेंद्र नेगी, इंद्रमोहन चमोली, नागेंद्र बिष्ट आदि शामिल रहे।

सिद्धाबाबा का वार्षिक अनुष्ठान पांच दिसंबर से, तैयारियां पूरी

कोटद्वार का प्रसिद्ध श्री सिद्धबली मंदिर, जहां पांच दिसंबर से तीन दिवसीय वार्षिक अनुष्ठान आयोजित किया जाएगा।

पिंडी महाभिषेक से होगा शुभारंभ

तीन दिवसीय श्री सिद्धबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान का शुभारंभ पांच दिसंबर को प्रातः पांच बजे पिंडी महाभिषेक से होगा। इसके उपरांत मंदिर परिक्रमा के बाद एकादश कुंडीय यज्ञ का शुभारंभ होगा। प्रातः आठ बजे सिद्धों का डांडा में पहुंच सिद्धबाबा की ध्वजा फहराई जाएगी। शाम चार बजे से सिद्धबली बाबा की भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ होगा। इस दौरान झंडा चौक पर साधो बैंड की प्रस्तुति होगी। शोभायात्रा का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण करेंगी। छह दिसंबर को पांच बजे पिंडी महाभिषेक होगा व सुबह सात बजे से एकादश कुंडीय यज्ञ शुरू होगा। पूर्वाह्न 11 बजे जगदगुरू शारदा पीठ के स्वामी राज राजेश्वरम और भारत माता मंदिर के महामंडलेश्वर ललितानंद जी महाराज का प्रवचन होगा। इसके उपरांत लोकगायक मंगलेश डंगवाल भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के अंतिम दिन एकादशी कुंडीय यज्ञ का समापन होगा। जिसके बाद सिद्धबाबा सहित अन्य देवी–देवताओं के जागर लगाए जाएंगे। जागरों के बाद सिद्धबली बाबा का सवामन का रोट काटा जाएगा। भजन संध्या में भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा व साथी प्रस्तुति देंगे। तीन–दिवसीय श्री सिद्धबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान के दौरान पांच व छह दिसंबर को दुगड्डा विकासखंड के सभी विद्यालयों में अवकाश रहेगा। प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी की ओर से इस संबंध में जारी आदेश यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि दो दिन सभी शासकीय, अशासकीय व निजी विद्यालयों में अवकाश रहेगा।

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वारः गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में पांच दिसंबर से प्रसिद्ध श्री सिद्धबली बाबा का वार्षिक अनुष्ठान प्रारंभ होगा। मेले को सफल बनाने के लिए समिति के सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई है। मेले को लेकर लोगों में भी उत्साह बना हुआ है।

कोटद्वार के प्रसिद्ध श्री सिद्धबली मंदिर में आयोजित होने वाले तीन-दिवसीय श्री सिद्धबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान के दौरान इस मर्तबा भी मेला समिति का पूरा जोर स्वच्छता पर रहेगा। इसके लिए मेला समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

पूर्व में मेले के प्रथम दिवस पर निकलने वाली सिद्धबाबा की शोभायात्रा के दौरान जगह–जगह जलपान के स्टाल लगाए जाते हैं। लोग जलपान का लुत्फ उठा आगे बढ़ जाते और पीछे गंदगी का अंबार लग जाता है। मेला समिति ने शोभायात्रा के आगे बढ़ने के साथ ही इस गंदगी को साफ करने की भी व्यवस्था कर दी है। इस बार भी मंदिर समिति से जुड़े सदस्यों के साथ ही नगर निगम शोभायात्रा के दौरान होने वाली गंदगी पर विशेष ध्यान रखेगा।

मेला समिति प्रत्येक जलपान काउंटर व उससे लगे आसपास के क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में नोडल अधिकारी तैनात करेगी, जिनकी देखरेख में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

वर्तमान समय में एआई की जानकारी होना जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वारः तिमली ट्रस्ट व कोजिक्स फाउंडेशन की ओर से आईटीडीए कैल्स कंप्यूटर संस्थान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को एआई के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही इसके उपयोग के बारे में भी बताया गया।

आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने एआई के सिद्धांतों व उसके प्रयोग के बारे में बताया। कहा कि एआई के बाद विद्यार्थी नौकरी की बेहतर संभावनाओं को तलाश सकते हैं। यह डिजिटल युग की अनिवार्यता है, इसलिए विद्यार्थियों को इसका बेहतर ज्ञान होना अति आवश्य है।

कहा कि एआई ऐसी तकनीक है, जो मशीनों को इंसानों की तरह सीखने, समझने, सोचने और निर्णय लेने की

कार्यशाला में बच्चों को जानकारी देते विशेषज्ञ

क्षमता देती है। सेमिनार में ललित पंत, आशीष डबराल, मधुसूदन कोहली, आशुतोष लखनपाल ने एआई तथा उससे जुड़े विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। इस मौके पर आईटीडीए के निदेशक डा.नंदकिशोर जखमोला, सह निदेशक अनीता जखमोला, जनसंपर्क अधिकारी अरविंद दुदपुड़ी, भारत रावत, रजनी रावत, स्वाति कंडवाल, नितेश रावत, मोहित ठाकुर, सौरभ घनसेला, अंशिका डंगवाल, नेहा रतूड़ी, कशिश आदि मौजूद रहे।

वन्यजीवों से सुरक्षा के लिए टोल फ्री नंबर जारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वन्यजीवों की सक्रियता बढ़ने पर वन विभाग हरकत में आया है। विभाग ने वन्यजीवों की सक्रिय्रता को लेकर टोल फ्री नंबर जारी किया है। वन विभाग के अफसरों के मुताबिक ग्रामीणों में सतर्कता बढ़ाने के लिए विभागीय टीमें नियमित गश्त कर रही हैं और गांव-गांव जाकर लोगों को सुरक्षित रहने की सलाह दे रही हैं। डीएफओ गढ़वाल अभिमन्यु सिंह ने बताया कि ग्रामीण यदि अपने घरों के आसपास की झाड़ियों को काटकर खुला क्षेत्र बनाएं, किसी कार्य जाने के लिए समय समूह में चलें और बच्चों को अकेला न छोड़ें तो भालू व अन्य वन्यजीवों से सामना होने की स्थिति में खतरा काफी कम हो जाता है। बताया कि भालू एवं अन्य वन्यजीवों से संघर्ष रोकने के लिए विभाग विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहा है।

कृषि का प्रेरणादाय मॉडल विकसित किया

जयन्त प्रतिनिधि।
पौड़ीः विकासखंड कल्जीखाल के बनेखखाल क्षेत्र के ग्राम कुण्ड ने सहकारिता के माध्यम से सामूहिक कृषि का प्रेरणादायक मॉडल विकसित किया है।

साधन सहकारी समितियों ने मिलकर वीर माधो सिंह भण्डारी संयुक्त सहकारी खेती की स्थापना करते हुए 133.14 नाली बंजर और वर्षों से अनुपयोगी पड़ी भूमि को पुनः कृषि योग्य बनाकर एक जीवंत कृषि क्लस्टर में परिवर्तित कर दिया। इस कार्य में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, प्रगतिशील कृषकों और सहकारी समितियों के सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके अथक प्रयासों से यह क्षेत्र आज फूलों और सब्जियों की सुवास से महक रहा है। परियोजना में कुल 22 कृषक सक्रिय्र रूप से जुड़े हुए हैं।फ्लोरीकल्चर के तहत ग्लेडियोलस, गुलदाउदी और डेज़ी के फूलों की सफल खेती की जा रही है। इसके साथ ही पॉलीहाउस आधारित उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों का उत्पादन भी आरंभ हो चुका है, जिसने किसानों की नियमित आय को एक मजबूत आधार प्रदान किया है। चयनित क्लस्टर में सहकारी समिति बनेखखाल द्वारा 20 कृषकों से 14 वर्ष की अवधि के लिए 133.14 नाली भूमि का अनुबंध किया गया है। अक्टूबर माह से फूलों की कटिंग का कार्य आरंभ किया गया, जिसमें गुलदाउदी के 1,866 बंच, ग्लेडियोलस के 2,743 बंच की कटिंग कर दिल्ली और देहरादून बाजारों में सफलतापूर्वक बिक्री की गयी।

देव्याक्षी देवरानी ने सब लेफ्टिनेंट पद पर प्राप्त किया कमीशन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार क्षेत्र में रहने वाली देवाक्षी देवरानी ने भारतीय नौसेना में सब लेफ्टिनेंट पद पर कमीशन प्राप्त किया है। उन्हें एक प्लाटून के नेतृत्व की जिम्मेदारी दी गई। बेटी की इस सफलता पर स्वजनों ने खुशी व्यक्त की है। भारतीय नौसेना अकादमी एझिमाला (केरल) में पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सीडीएस अनिल चौहान थे। उन्होंने सैनिकों को देश की रक्षा व अपने कर्तव्य पर अडिग रहने की सीख दी। कार्यक्रम के दौरान कोटद्वार निवासी देव्याक्षी को सब लेफ्टिनेंट पद पर कमीशन प्राप्त

सब लेफ्टिनेंट पद पाने के बाद अपने माता-पिता के साथ देव्याक्षी

हुआ। उन्हें एक प्लाटून का नेतृत्व मिला है। देव्याक्षी के पिता लक्ष्मीविलास देवरानी राइंका पाली (लंगूर) में हिंदी के शिक्षक और माता संगीता देवरानी गृहिणी है।

रोटरी क्लब ने लगाई सेनेटरी नैपकिन पैड वेडिंग मशीन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः रोटरी क्लब के तत्वाधान व रोटरी मण्डल 3100 के सहयोग से आर्य कन्या इण्टर कालेज में रविवार को सेनेटरी नैपकिन पैड वेडिंग मशीन लगाई गई। विद्यालय परिसर में लगाई गई उक्त मशीन का आरंभ प्रधानाचार्य रेनू नेगी ने किया। उन्होने कहा कि इस मशीन के लगने से विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओ को बहुत सुविधा मिलेगी। रोटरी क्लब अध्यक्ष ऋषि ऐरन ने कहा कि क्लब महिलाओं के उत्थान व सशक्तीकरण के लिए कार्य करने के लिए हमेशा तैयार रहता है। महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य से ही उक्त मशीन लगाई गई है। इस अवसर पर क्लब सचिव विजय कुमार, वाई पी गिलरा, अनीत चावला, अनिल कुमार भोला, गोपाल बसंल, प्रतिभा गुप्ता, ऊषा अग्रवाल व हेमा अग्रवाल आदि क्लब सदस्यों सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

पांच साल बाद थाती बड़मा में महाजात की तैयारियां शुरू

रुद्रप्रयाग। जखोली ब्लॉक के थाती बड़मा में पांच दिवसीय महाजात की तैयारियां शुरू होने लगी है। आयोजन को लेकर बैइक के साथ ही महत्वपूर्ण कायी के लिए जिम्मेदारियां सौंपी जाने लगी है। वहीं इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। थाती बडमा में नववर्ष की पावन बेला पर 3 जनवरी से 7 जनवरी तक श्री घड़ियाल जी महाराज की पांच दिवसीय महाजात का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए पूजा अर्चना के बाद दिन घोषित कर दिया गया है। प्राचीन समय से चली आ रही परंपरा के अनुसार हर 5 वर्ष में थाती बडमा में इस महाजात का आयोजन किया जाता है। आयोजन को भव्य बनाने के लिए ग्रामीणों द्वारा प्रारंभिक तैयारियां शुरू हो गई है। श्री घंडियाल महाराज जात मूर्हत ब्राह्मण गांव के कुल पुरोहित पंडित ओमप्रकाश गौड, पंडित द्वारिका गौड, पंडित संजय गौड द्वारा संयुक्त रूप से विधि विधान से निकाला गया। उत्तराखंड के कई गांवों में घंडियाल महाराज को ईष्ट देवता के रूप में पूजा जाता है, उसी के निमित्त ग्राम थाती बडमा के ग्रामीणों द्वारा इस परंपरा को भी पौराणिक काल से धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। घंडियाल देवता को धियाणियों के रक्षक के रूप में भी पूजा जाता हैं, साथ ही एक योद्धा के रूप में भी उनकी पूजा की जाती है। थाती बडमा में श्री घंडियाल महाराज को एक वीर पराक्रमी अभिमन्यु के पितृ वंश के स्वरूप में पूजा जाता है। इस महाजात में श्री घंडियाल महाराज की मुख्य डोली ग्राम सेम बडमा में सेमवाल पंडितों के घर में विराजमान रहती है और हर 5 वर्ष बाद ग्राम थाती के रावत व नेगी बंधु द्वारा स्थाई गद्दी स्थल से घंडियाल महाराज की चल विग्रह डोली को बाध्य यंत्रों के साथ लाकर मुख्य मंदिर जात स्थल त्यौंणा में विराजमान करके महायज्ञ का शुभारंभ करने की परम्परा है। अंतिम दिन पूर्णाहुति के साथ पुनः घंडियाल महाराज अपने पांच वर्ष के प्रवास के लिए ग्राम सेम में पूजा के लिए विराजमान होगे। थाती बडमा के ग्रामीणों ने जात की तैयारी के लिए बैठक की जिसमें कई बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर मदन नेगी, बिक्रम रावत, त्रिलोक रावत, भगवान सिंह रावत, सुखदेव रावत, जोत सिहं रावत, कालीचरण रावत, अनुसूया नेगी, कर्ण सिंह, योगेंद्र सिंह, ईश्वर सिंह, राजनारायण सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अनमोल सिंह, विजयपाल सिंह, दिगम्बर रावत सहित महिला मंगल दल के सदस्य मौजूद थे।

सीटू उत्तराखंड का 9वां राज्य स्तरीय सम्मेलन हुआ विधिवत सम्पन्न

नई टिहरी(। वर्करों और कर्मचारियों की हकों की लड़ाई तेज करने के साथ ही सीटू उत्तराखंड का 9वां राज्य स्तरीय सम्मेलन का विधिवत समापन हुआ।

केंद्र की मजदूर-विरोधी, कॉरपोरेट-परस्त और जन-विरोधी नीतियों को लेकर सम्मेलन में चर्चा कर विरोध की नीति बनाने का निर्णय हुआ।

सम्मेलन का केंद्रीय रहा कि अधिकारों की रक्षा करना, 26 हजार रुपये न्यूनतम वेतन, स्थायी रोजगार, बढ़ती महंगाई पर रोक, शिक्षा, स्वास्थ्य व सरकारी क्षेत्र में निजीकरण का विरोध और मजदूर-विरोधी लेबर कोड के खिलाफ व्यापक संघर्ष को मजबूत करना। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न ज़िलों से आए सीटू के डेलीगेट, पर्यवेक्षक, स्कीम वर्कर, ठेका-कर्मचारी, संगठित–असंगठित क्षेत्र के मजदूर, युवा और महिला कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। दो दिनों तक चली कार्यवाही में प्रदेश और देश के आर्थिक-सामाजिक हालात, मजदूर वर्ग के सामने खड़ी चुनौतियों, बढ़ती बेरोज़गारी, महँगाई, निजीकरण, श्रम क़ानूनों में बदलाव और लोकतांत्रिक अधिकारों पर हो रहे हमलों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सम्मेलन का समापन सीटू के वरिष्ठ नेताओं और राज्य के मज़दूर आंदोलन से जुड़े अग्रणी साथियों ने श्रम वर्ग के शहीदों को श्रद्धांजलि देकर किया। इसके बाद प्रदेश समिति की ओर से प्रस्तुत संगठनात्मक प्रतिवेदन, गतिविधि रिपोर्ट, सदस्यता वृद्धि, विभिन्न क्षेत्रों में किए गए आंदोलनों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत विमर्श हुआ। सम्मेलन में आशुतोष नेगी, मनमोहन सिंह रौतेला, एसएफआई के नितिन मलेठा, भगवान सिंह राणा, मदन मिश्र, आरपी जोशी, आरएन बलूनी, लेखराज, कृपाल सिंह, श्रीपाल चौहान, कुलदीप राणा, कुंवारी कलूड़ा, बसंती नेगी, कृष्णा कठैत आदि मौजूद रहे।

एमपी जखमोला सीटू के प्रदेश अध्यक्ष और राजेंद्र नेगी बने महामंत्री : दो दिवसीय कार्यवाही के दौरान सीटू उत्तराखंड की 41 सदस्यीय नई राज्य कार्यकारिणी (प्रांतीय कमेटी) का गठन किया गया। जिसमें 15 सदस्यीय सचिव मंडल बनाया गया, इस कार्यकारिणी में अध्यक्ष कामरेड एमपी जखमोला, महामंत्री कामरेड राजेंद्र सिंह नेगी, कोषाध्यक्ष कामरेड मनमोहन सिंह, उपाध्यक्ष कामरेड पीडी बलूनी, कामरेड भगवंत पयाल, कामरेड चिंतामणि थपलियाल, कामरेड शिव दुबे, कामरेड राजेंद्र नेगी, सचिव कामरेड लेखराज, कामरेड बीरेंद्र नेगी, कामरेड जितेंद्र मल, कामरेड कुलदीप राणा और कामरेड इमरत और अन्य राज्य कार्यकारिणी सदस्य पदों पर सर्वसम्मति से चुने गए। नई कार्यकारिणी को प्रदेश में मजदूर वर्ग के संघर्षों का विस्तार, स्कीम वर्करों, ठेका-कर्मचारियों, औद्योगिक मज़दूरों, सेवा-क्षेत्र के कर्मचारियों और बेरोज़गार युवाओं को संगठित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी सौंपी गई।

नक्शा प्रोजेक्ट के कामों पर की चर्चा

नई टिहरी। सूबे के आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद रंजना राजगुरु की अध्यक्षता में नक्शा प्रोजेक्ट के कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक आहूत हुई। आयुक्त एवं सचिव ने टिहरी जिले की नक्शा प्रोजेक्ट की प्रगति रिपोर्ट ली, साथ ही काम में आ रही दिक्कतों से अवगत कराने को कहा गया। आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी हाई रेजोल्यूशन पिक्स दे और आईईसी एक्टिविटी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) कार्ययोजना के अनुसार जानकारी से अवगत कराए। जिला टिहरी गढ़वाल से एडीएम अवधेश कुमार सिंह ने बैठक में अवगत कराया कि आईईसी की गतिविधियां चल रही हैं। ग्राउंड ट्रूथिंग अभी शुरू नहीं हुआ, साथ ही ड्रोन सर्वे हो गया,

कांग्रेस के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष खंडवाल का हुआ स्वागत

नई टिहरी। नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल के स्वागत में यहां पर अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें स्थानीय कांग्रेसियों ने फूलमालाओं से खंडवाल का स्वागत किया। इस मौके पर कांग्रेसियों ने लंबगांव पार्किंग से बाजार होते हुए महेड़ देवता तक रैली निकाली। अभिनंदन समारोह में विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि राष्ट्रीय एवं प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के सहयोग से मुरारी लाल खंडवाल जैसे अनुभवी संघर्षशील नेता का कांग्रेस की कमान मिली है। जिससे जिले में कांग्रेस आगे बढ़ने का काम करेगी। कांग्रेस जमीनी स्तर पर काम कर कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को जोड़ने का काम करेगी और 2027 के चुनाव में प्रदेश में सरकार बनाने का काम करेगी। कहा कि प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल है। इसलिए हमें जनता के साथ मिलकर साथ खड़ा होना है। नव नियुक्त जिलाध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल ने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभायेंग और आगामी विधानसभा चुनाव में टिहरी में कांग्रेस की लहर को चरम पर लाने का काम करेंगे, ताकि टिहरी की सभी सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी विजयी रहें। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है। संविधान से छेड़–छाड़ की जा रही है। गुजरात व मध्यप्रदेश की कंपनियों को ठेका दिये जाने का काम किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

देहरादून में दिव्यांग शिविर 11 एवं 12 दिसंबर को

देहरादून। हर्षल फाउंडेशन, देहरादून की ओर से 11 एवं 12 दिसंबर को अग्रवाल धर्मशाला गांधी रोड में निशुल्क दिव्यांग सहायता एवं वरिष्ठ नागरिक सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर वर्ष 2014 से आयोजित हो रहा है और अब तक दस हजार से ज्यादा दिव्यांगजन को लाभ दिया जा चुका है। प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता में ट्रस्टी सेक्रेटरी डॉ. रमा गोयल ने बताया कि दिव्यांगजनों को निशुल्क कृत्रिम हाथ–पैर, व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल, बैसाखी, चलने की छड़ी, चश्मे, सुनने की मशीन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। कौशल विकास प्रशिक्षण, सरकारी योजनाओं जैसे पेंशन, ऋण एवं रोजगार योजना आदि की जानकारी एवं पंजीकरण की सुविधा भी दी जाएगी। बाहर के लाभार्थियों और उनके एक सहयोगी के लिए निशुल्क आवास एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई है। इस दौरान अमिता गोयल, कल्पना अग्रवाल, दीप प्रसाद, निधि गर्ग आदि मौजूद रहे। यहां करें संपर्क 8630445188, 9927006973, 9997993531, 7983789020, 7895378323, 8630309340 .

लिटिल स्माइल ने दी जरूरतमंद बच्चों के चेहरे पर मुस्कान

देहरादून। अपने सपने एनजीओ सुभाषनगर स्थित संस्था प्रांगण में जरूरतमंद बच्चों के लिए लिटिल स्माइल नामक कार्यक्रम का आयोजन देवभूमि उत्तराखंड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट विभाग द्वारा किया गया। छात्र छात्राओं द्वारा अपने सपने एनजीओ के बच्चों से रूबरू हुए, वहीं बच्चों के साथ खेल–कूद , गीत–संगीत एवं जीवन में शिक्षा के महत्त्व को लेकर जानकारियां दी गई। बच्चों को शिक्षण समाग्री में स्कूल बैग, कॉपी, पेन पेन्सिल, बॉक्स, टिफिन आदि का वितरण किया गया। देवभूमि उत्तराखंड यूनिवर्सिटी के डीन डॉ चंद्रमोली ढौंडियाल, एचओडी सुरेन्द्र सिंह बिष्ट एवं फैकल्टी शशांक, शुभांग, सुरभि और श्रुति ने संस्था के बच्चों को प्रेरक संदेश दिए। डॉ. मनीषा फोगाट एवं डॉ. चारु का अहम सहयोग रहा। एनजीओ के संस्थापक अरुण कुमार यादव ने सभी का आभार जताया। अनिशा, अंशुल, केन्ना, पिया, नेहा, अक्षित, भोजराज, ओम, जया आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया जा रहा 51 वां खलंगा मेला

देहरादून। बलभद्र खलंगा विकास समिति द्वारा रविवार को ऐतिहासिक 51 वां खलंगा मेला सागरताल नालापानी में धूमधाम से मनाया गया। समिति विगत 50 वर्षों से सेनानायक बलभद्र थापा एवं उनके वीरों तथा वीरांगनाओं की याद में इस मेले का आयोजन कर रही है। गोरखा–आंग्ल युद्ध में गोर्खाली वीरों ने 1814–16 में शक्तिशाली अंग्रेजी फौज के तीन आक्रमणों विफल कर उन्हें पराजित किया था। विधानसभाध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी, रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ कैंट विधायक सविता कपूर समेत अनेक विशिष्ट लोग मेले में पहुंचे। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। मेले को लेकर गोर्खाली समाज में काफी उत्साह रहा। गोर्खाली व्यंजन अनेक स्टॉल पर उपलब्ध थे।

चालदा महासू महाराज मंदिर दसऊ में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

विकासनगर। जौनसार–बावर के आराध्य छत्रधारी चालदा महासू महाराज अपने प्रवास पर खत पशगांव के दसऊ मंदिर में विराजमान हैं। आठ दिसंबर को छत्रधारी चालदा महासू महाराज की हिमाचल के पश्मी गांव के लिए प्रवास यात्रा शुरू हो जाएगी। जिसमें हजारों श्रद्धालू देवता के दर्शन के लिए दसऊ पहुंच रहे हैं। चालदा महासू महाराज पहली प्रवास के लिए हिमाचल के पश्मी गांव जा रहे हैं। उनकी प्रवास यात्रा आगामी आठ दिसंबर से शुरू होगी। आठ दिसंबर को महाराज की देवपालकी और देव चिन्हों को मंदिर के गर्भ गृह से बाहर निकाला जाएगा। इसके बाद वह हिमाचल के लिए रवाना हो जाएंगे। देवता की प्रवास यात्रा में शामिल न होने वाले लोग इन दिनों दर्शन के लिए छत्रधारी चालदा महासू महाराज मंदिर दसऊ पहुंच रहे हैं। रविवार को खत पशगांव के दसऊ गांव स्थित छत्रधारी चालदा महासू महाराज मंदिर में देव दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड पड़ी। सुबह से ही देव दर्शन के लिए लोगों की लाइन शुरू हो गई थी, जो शाम तक भी जारी रहेगी।

उत्तराखण्ड @25: लुकिंग बैक–लुकिंग फॉरवर्ड पुस्तक का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास में उत्तर-खण्ड @25: लुकिंग बैक–लुकिंग फॉरवर्ड पुस्तक के विमोचन किया। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र तथा भारतीय लोक प्रशासन संस्थान द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में उत्तराखंड राज्य स्थापना के गौरवशाली 25 वर्षों की विकास यात्रा, उपलब्धियों और अनुभवों के संकलन के साथ ही आने वाले 25 वर्षों में किन क्षेत्रों में कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं, इस पर लेखकों ने विस्तारपूर्वक लेख लिखे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुस्तक राज्य की अब तक की प्रगति पर उत्कृष्ट विश्लेषण प्रस्तुत करने के साथ ही आने वाले समय में राज्य के समग्र विकास को एक नई दिशा भी प्रदान करेगी। पुस्तक में शासन–प्रशासन, आर्थिक विकास, पर्यावरण संतुलन, ग्रामीण पलायन, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, कृषि, संस्कृति और पत्रकारिता जैसे अत्यंत महत्त्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अपने गहन विचार प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पुस्तक नीति–निर्माण और शोधकर्ताओं के लिए लाभदायक सिद्ध होगी और उत्तराखंड के सतत, समावेशी और समग्र विकास की दिशा में योगदान देने के लिए लोगों को प्रेरणा देगी।

इसके प्रकाशन के लिए उन्होंने दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र तथा भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के पदाधिकारियों, लेखकों और संपादक मंडल का आभार भी व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य स्थापना के 25 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा में राज्य ने कई चुनौतियों का सामना करते हुए अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की । नीति आयोग द्वारा जारी सतत् विकास लक्ष्यों में राज्य को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में ह्लअचीवर्सह्न और स्टार्टअप रैंकिंग में ह्लीडर्सह्न की श्रेणी प्राप्त हुई है। बेरोजगारी दर में 4.4 प्रतिशत की कमी आई। राज्य को लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस में ह्लअचीवर्सह्न श्रेणी और सिंगल विंडो सिस्टम में ह्लटॉप अचीवर्सह्न की श्रेणी हासिल हुई है। पर्यटन के क्षेत्र में भी राज्य को अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

भरदार जागरूकता मंच देगा कलेक्ट्रेट में धरना

रुद्रप्रयाग। भरदार क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों को लेकर भरदार जागरूकता मंच सोमवार को जिला कार्यालय परिसर में धरना एवं विरोध प्रदर्शन करेगा। मंच ने अधिक से अधिक लोगों को इस धरने को समर्थन देने की अपील की है। मंच के अध्यक्ष एलपी डिमरी ने बताया कि भरदार क्षेत्र की जनता वर्षों से पेयजल, सड़क, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है, किंतु अभी तक उन मुद्दों का हल नहीं हो सका है। विभागीय अधिकारी समस्याओं का कोई संज्ञान नहीं ले रहे है। ऐसे में इन ज्वलंत समस्याओं के तत्काल समाधान एवं शासन–प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से मंच की ओर से कलक्ट्रेट परिसर में शांतिपूर्ण एक दिवसीय धरना एवं विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक ढांचे के तहत होगा। जिसमें क्षेत्र की महिलाएं, युवा, बुजुर्ग एवं सभी वर्ग के लोग शामिल होंगे। उन्होंने अधिक से अधिक जनता से इस धरने स्थल पर पहुंचकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया।

अंर्तराष्ट्रीय साधकों ने देवप्रयाग संगम पर किया योग और ध्यान

नई टिहरी। उत्तराखंड के पंच प्रयागों में से एक देवप्रयाग का पवित्र संगम एक बार फिर अंर्तराष्ट्रीय आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत–प्रोत हो उठा। अक्षर योग केंद्र के संस्थापक हिमालयन सिद्ध अक्षर महाराज के मार्गदर्शन में विश्वभर से आए करीब 80 साधकों के समूह ने यहां की दिव्य भूमि पर योग और आध्यात्म की गहन साधना की। यह तीसरी बार है, जब अक्षर योग केंद्र के साधकों ने इस पावन स्थल पर आकर साधना की है। इस दल में अमेरिका, चीन, ताइवान, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे देशों के साधक शामिल रहे, जो अपनी आध्यात्मिक प्यास बुझाने के लिए देवप्रयाग पहुंचे। साधकों ने अलकनंदा और भागीरथी के पवित्र संगम पर अनेक दिव्य साधनाओं का अभ्यास किया, जिनमें भगवान के नाम का जाप, योग, आसन, गंगा स्नान करते हुए विशेष जल मग्न ध्यान और त्रिनेत्र ध्यान शामिल थे। सिद्ध अक्षर महाराज ने बताया कि इन अभ्यासों से साधकों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। साधना के बाद साधकों ने भगवान शिव का अभिषेक किया और इसके उपरांत श्री रघुनाथ मंदिर के दर्शन कर भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर पहुंचने पर मुख्य पुजारी समीर भट्ट ने मंदिर और आदि गुरु शंकराचार्य के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। सिद्ध अक्षर महाराज ने इस अवसर पर देवप्रयाग की महिमा का बखान करते हुए कहा कि भगवान राम के इस दिव्य धाम को दक्षिण भारत में तिरुक्कंडमेनुम कडिनगर के नाम से जाना जाता है और यहां की पवित्र भूमि आशीर्वाद प्रदान करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी साधनाओं का मुख्य विषय जीवन का कल्याण है, जो देवप्रयाग जैसे उपयुक्त स्थानों पर ही संभव हो पाता है। उन्होंने देवप्रयाग की शांति और पवित्रता को बनाए रखने को अत्यंत आवश्यक बताया, ताकि यह धर्म, आस्था और आध्यात्म में विश्वास रखने वालों के लिए एक मुख्य केंद्र बना रहे।

धनपुर के कई गांवों में है भालू का आतंक

रुद्रप्रयाग। जनपद की धनपुर और रानीगढ़ पट्टी में भालू का आतंक बना है। बीते दिनों चिनग्वाड़, घंडियाल्का और च्वीथ गांव में भालू की सक्रियता देखकर ग्रामीण दहशत में है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जहां सुरक्षा की मांग की वहीं वन विभाग की टीम गांव–गांव में जाकर लोगों को जागरूक कर रही है। धनपुर और रानीगढ़ पट्टी के एक दर्जन से अधिक गांवों में भालू की चलकदमी देखी जा रही है।

अब महिलाएं जंगल जाने में भी डर रही है। हालांकि गांव–गांव में वन विभाग की टीम के महिलाओं को जागरूक करने के बाद महिलाएं झुंड बनाकर शोर–शराबा कर घास पत्ती लेने जा रही है। वहीं गांव के लोग भी महिलाओं के साथ ही बच्चों पर खास निगरानी कर रहे हैं। विशेषकर सुबह और सांय भालू को गांव की सीमा में आने से रोका जा रहा है इसके लिए मिर्ची का धुंआ और सीटी बचाते हुए शोर–शराबा किया जा रहा है। घंडिल्याका के प्रधान राकेश मोहन, चिनग्वाड़ के प्रधान दीपक बिष्ट ने कहा कि धनपुर के अधिकांश गांवों में भालू दिखाई दे रहा है। कई जगहों पर हमले की घटनाएं हो रही है। ग्रामीण एक दूसरे को सर्तक कर रहे हैं जबकि वन विभाग की टीम भी लगातार गांवों का दौरा कर महिलाओं को जागरूक कर रही है। उन्होंने कहा कि कुछ समय तक वन विभाग की टीम को इस तरह के प्रयास करने होंगे ताकि भालू गांवों से दूर भाग सके।

कीर्तिनगर ब्लॉक में छह समितियों का गठन

श्रीनगर गढ़वाल। विकासखंड कीर्तिनगर में क्षेत्र पंचायत की विभिन्न समितियों का गठन कर सदस्यों को मनोनीत किया गया है। विकासखंड में विभिन्न कार्यों को संपादित कराने के लिए प्रमुख, ज्येष्ठ उप प्रमुख, कनिष्ठ प्रमुख को सभापति मनोनीत करके छह समितियों की घोषणा भी की गई है। कीर्तिनगर ब्लॉक में ब्लॉक प्रमुख अचला खन्डेवाल की अध्यक्षता में छह समितियों का गठन कर घोषणा की गई।नियोजन समिति में ब्लॉक प्रमुख कीर्तिनगर अचला खंडेवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य रानीहाट मनोज जोशी, सुरेंद्र जायड़ा, बीना देवी, बबीता देवी, सरोजनी देवी को सदस्य बनाया गया, जबकि प्रशासनिक समिति में ब्लॉक प्रमुख अचला खन्डेवाल, सुमन नौटियाल, मुकेश सिंह, अवतार सिंह, अनीता देवी, आरती, निर्माण समिति में मनोज जोशी, भारती रावत, भारती राणा, जगत सिंह, उमिता, रामस्वरूप, स्वास्थ्य एवं कल्याण में स्नेहलता शाह, संजय, अनीता, लखपत सिंह, भावना पंवार, मंजू देवी, नीलम, जल प्रबंधन में मनोज कुमार लखेडा, सुरेश कुमार, कुसुम, जगत रावत, आशा देवी, रूकमणी, अमला, सुरेश कुमार को सदस्य नियुक्त किया गया।

जिला प्रशासन ने किया एक और सीएसी सेन्टर सील

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम ने तहसील परिसर अवस्थित रमन एन्टरप्राईजेज, सीएससी सेंटर में औचक निरीक्षण एवं छापेमारी की कार्रवाई की। यह कार्रवाई उपजिलाधिकारी कुमकुम जोशी के नेतृत्व में की गई।जिला प्रशासन द्वारा अनियमितता पाए जाने पर सीएससी सेंटर को सील करते हुए केंद्र पर ताला जड़ दिया है। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर अनियमिताएं पाई गई ।जनसेवा केंद्र पर विभिन्न योजनाओं के आवेदन अभिलेख पाए गए जिनमें आवेदकों के हस्ताक्षर नही थे। टीम द्वारा अभिलेखों के बारे में पूछे जाने पर सेंटर में मौजूद स्टॉफ जानकारी नहीं दे पाए साथ ही विभिन्न प्रमाण पत्र बनाने हेतु निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली करना पाया गया तथा 27 नवम्बर 2025 से दैनिक रजिस्टर अद्यतन नही किए जाने व अन्य कई अनियमितताएं पाई गई। जिस पर जिला प्रशासन द्वारा सेन्टर को सील करते हुए अग्रिम आदेशों तक केंद्र का संचालन बंद कर दिया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले के सीएससी सेंटर में छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है सीएससी केन्द्रो पर अनियमितता पाए जाने पर ताला लगेगा।निरीक्षण के दौरान टीम द्वारा केंद्र में संचालित विभिन्न सेवाओं, अभिलेखों, लेन–देन विवरणों तथा सेवा शुल्क आदि की गहन जांच की गई।

गढ़वाल विवि के सम्बद्ध कॉलेजों के परीक्षा केंद्र निर्धारित

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि की वर्ष 2025–26 के स्नातक और स्नोतकोत्तर के विषम सेमेस्टरों की मुख्य एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए विवि ने परीक्षा केंद्र निर्धारित किए हैं।

गढ़वाल विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेएस चौहान ने बताया कि बाबू राम डिग्री कॉलेज सलियार रूड़की, विशम्बर सहाय ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूट डिग्री कॉलेज, आएमपी (पीजी) कॉलेज नारसन हरिद्वार, आसीपी (पीजी) कॉलेज ऑफ एलाइड सांइस रूडकी, बीएसएस कॉलेज, हिमगिरी कॉलेज सिकारपुर हरिद्वार, धनौरी डिग्री कॉलेज धनौरी, हिमालयन दून एकेडिमी भगवानपुर रूड़की, एसएमजेए (पीजी) कॉलेज हरिद्वार, एसएसडीपीसी (पीजी) कॉलेज रूड़की हरिद्वार, हिमालयन कॉलेज ऑफ पुहाना रूड़की और अरिहन्त कॉलेज ऑफ एजुकेशन रूड़की हरिद्वार का परीक्षा केंद्र बीएसएम (पीजी) कॉलेज रूड़की निर्धारित किया गया है। जबकि हर्षविद्या मंदिर रायसी हरिद्वार का परीक्षा केंद्र गर्ग डिग्री कॉलेज लक्सर हरिद्वार, कुन्ती नमन इंस्टीटयूट हरिद्वार, पीआरसी (पीजी) कॉलेज किसनपुर हरिद्वार का चिनमय डिग्री कॉलेज रानीपुर हरिद्वार, हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मसी एंड रिसर्च राजावाला देहरादून, बी–हाईव कॉलेज एडवांस स्टडीज देहरादून, एडवांस इन्टीट्यूट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी देहरादून का दून (पीजी) कॉलेज आफ एग्रीकल्चर साइंस देहरादून, निम्बस एकेडिमी ऑफ मैनेजमेंट देहरादून, डीडी इंस्टीट्यूट देहरादून, उत्तरांचल कॉलेज आफ बाइमेडिकल देहरादून, जीआरडी गर्ल्स कॉलेज देहरादून का एल्पाइन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी देहरादून, चंद्रावती तिवारी लॉ कॉलेज कोटद्वार, इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटेलिटी मैनेजमेंट एंड साइंस कोटद्वार का राजकीय (पीजी) कॉलेज कोटद्वार और जीआरडी इंस्टीट्यूट राजपुर रोड़ देहरादून एवं लिब्रा कॉलेज ऑफ लॉ देहरादून का परीक्षा केंद्र डीएवी (पीजी) कॉलेज देहरादून निर्धारित किया गया है। पंचम सेमेस्टर के छात्र 1 दिसम्बर तक करें आवेदन श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। गढ़वाल विवि ने स्नातक पंचम सेमेस्टर के छात्रों के लिए बैक परीक्षा पास करने का एक और मौका दिया है। गढ़वाल विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेएस चौहान ने नोटिफिकेशन जारी करते हुए कहा कि गढ़वाल विवि के सम्बद्ध कॉलेजों एवं महाविद्यालयों में स्नातक 2020 पंचम सेमेस्टर के बैक/भूतपूर्व के समस्त छात्र–छात्राएं अपने बैक परीक्षा फार्म 1 दिसम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

गौशाला में घुसकर गुलदार ने पांच बकरियां मारी

नई टिहरी। जौनपुर विकासखंड के तहत डिगोन गांव मे गुलदार ने गौशाला का दरवाजा तोड़कर पांच बकरियों को निवाला मार डाला। बीती शुक्रवार की देर रात्रि को डिगोन गांव निवासी जयवीर सिंह रावत की गोशाला का दरवाजा तोड़कर गुलदार अंदर घुस गया। जहां पर गुलदार ने पांच बकरियों को अपना शिकार बनाकर मार डाला। शनिवार की सुबह जब पशुपालक जयवीर सिंह पंवार अपनी गौशाला में गया तो उसने गौशाला के दरवाजे टूटे हुए पाये। उन्होंने देखा की उनकी पांच बकरियां गुलदार ने मार दी हैं और बकरियां गौशाला के बाहर कुछ दूर झाड़ियों में खून से लथपथ पड़ी हैं। ग्राम प्रधान रीमा देवी ने पीड़ित परिवार को वन विभाग से उचित मुआवजा राशि प्रदान करने की मांग की। जबकि रेंज अधिकारी लतिका उनियाल का कहना है कि वन कर्मचारी मौके पर भेज दिए गए हैं।

मिशन आरंभ के तहत हुआ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

विकासनगर। आंगनवाड़ी केंद्र लाखामंडल में मिशन आरंभ के तहत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान आंगनबाडी कार्यकत्रियों को अपने केंद्रों में बच्चों को बेहतर शिक्षा और पोषण देने के बारे में बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला समन्वयक प्रभात कुमार और कार्यक्रम प्रबंधक कौशिकी मोहन अग्रवाल ने संपन्न कराया। इस दौरान मुख्य विषय टीचिंग लर्निंग मटेरियल के चार प्रकारों के बारे में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बताया। उन्हें बताया गया कि वह कैसे अपने केन्द्रों में बच्चों को बेहतर शिक्षा और पोषण प्रदान कर सकती हैं। इसके अलावा, उन्हें बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में भी सिखाया गया। बताया गया कि कैसे वे अपने केन्द्रों में बच्चों के लिए एक सुरक्षित और स्वागत योग्य वातावरण बना सकती हैं। इस दौरान उन्हें कई उपयोगी टिप्स और तकनीकें भी सिखाई गईं, जिनका वे अपने दैनिक काम में उपयोग कर सकती हैं। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता बचना शर्मा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री नैनसी शर्मा, रीता शर्मा, सीमा, सुनीता राणा, साहीका, पदमा देवी आदि मौजूद रहीं।

पछुवादून गढ़वाल सभा ने भट्ट को दी श्रद्धांजलि

विकासनगर। पछवादून गढ़वाल सभा की ओर से उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा भवन में आयोजित कार्यक्रम में दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। श्रद्धांजलि सभा में दिवाकर भट्ट के राज्य आंदोलन में किए गए संघर्षों को याद किया गया। सभा में वक्ताओं ने कहा कि दिवाकर भट्ट ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन को मजबूत दिशा देते हुए सदैव जनहित को प्राथमिकता दी। उनका सरल स्वभाव, संघर्षशील व्यक्तित्व और स्पष्टवादिता उन्हें एक विशिष्ट नेता बनाती है। वक्ताओं ने कहा कि उनका निधन पूरे राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है और उनके बताए मार्ग पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। गढ़वाल सभा के अध्यक्ष रोशन नेगी ने कहा कि दिवाकर भट्ट का व्यक्तित्व संघर्ष और समर्पण का प्रतीक था। राज्य आंदोलन के दौरान उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका जाना उत्तराखंड के लिए बड़ी क्षति है। गढ़वाल सभा के सचिव लक्ष्मी प्रसाद कोठियाल ने कहा कि दिवाकर भट्ट ने उत्तराखंड की लड़ाई को नई दिशा दी।

पूर्व सैनिक को सैन्य सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

विकासनगर। पूर्व सैनिक नायक सुनील कुमार का लंबी बीमारी के बाद मृत्यु हो गई। रविवार को पूरे सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई। उनका अंतिम संस्कार हरिद्वार में किया गया। नायक सुनील कुमार उम्र 52 वर्ष वर्ष 1994 में बंगाल इंजीनियरिंग में भर्ती हुए थे। 2012 में रिटायरमेंट के बाद उन्होंने 2013 में डीएससी ज्वॉइन की। वह मूल रूप से ग्राम कोटनाली पोस्ट ऑफिस चौकरी पौड़ी गढ़वाल के निवासी थे। वर्तमान में सैनिक कॉलोनी बड़ा रामपुर स्थित घर में रह रहे थे। वह लगभग दो वर्षों से ब्लड कैंसर से पीड़ित थे। वर्तमान में दिल्ली आरआर हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था।

हरबर्टपुर, विकासनगर ने व्यापारियों ने खुद खाली किए फुटपाथ

विकासनगर। अतिक्रमण को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की ओर से दिए गए अल्टीमेटम के बाद रविवार को हरबर्टपुर और विकासनगर में व्यापारियों ने खुद फुटपाथ खाली कर दिए। हरबर्टपुर में व्यापारियों ने दुकानों के आगे लगे बड़े बोर्डों को भी हटाना शुरू कर दिया है। अतिक्रमण हटाने के लिए व्यापरियों के आगे आने के बाद अधिकारियों ने उन्हें सोमवार तक की मोहलत दी है। सोमवार को भी अगर किसी ने अतिक्रमण नहीं हटाया तो विभाग खुद कार्रवाई करेगा। हरबर्टपुर से लेकर विकासनगर तक व्यापारियों ने फुटपाथों पर कब्जा किया हुआ था। फुटपाथों के बाहर सफेद लाइन तक भी व्याापारियों ने अपना सामान लगाया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने व्यापारियों को नोटिस देकर फुटपाथ और सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए थे। शनिवार को इसको लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने विधायक मुन्ना सिंह चौहान के नेतृत्व में बैठक की थी। जिसमें व्यापारियों ने आश्वासन दिया था कि वह खुद फुटपाथों पर हुए अतिक्रमण हो हटा देंगे। जिसको लेकर एनएच विभाग ने व्यापारियों को चेताया था कि अगर कल तक फुटपाथ खाली नहीं हुए तो विभाग खुद अभियान चलाएगा। इसके बाद आज रविवार को एनएच की टीम सुबह पहले हरबर्टपुर पहुंची तो वहां व्यापारी खुद अतिक्रमण हटाने लगे। जिसके बाद विभाग ने अपनी कार्रवाई रोक ली। विकासनगर में भी विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण किया तो विकासनगर में भी व्यापारियों ने खुद ही फुटपाथ खाली करा दिए। जिन्होंने स्थायी निर्माण किया था, उन्हें विभाग ने कुछ और मोहलत दी है। जिससे कि वह अपना अतिक्रमण खुद हटा सकें।

उच्च शिक्षण संस्थानों में बच्चों की व्यापक ड्रग्स टेस्टिंग अभियान का आगाज

उच्च शैक्षणिक संस्थान, कॉलेज, विद्यालयों में निरंतर चलती रहेगी ड्रग टेस्टिंग

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार व विद्यार्थियों में बढती नशे की प्रवृत्ति पर सख्त रूख अपनाते हुए जिले में स्थित सभी शैक्षित संस्थानों में रोस्टरवार अभियान चलाते हुए टेस्टिंग कराने के निर्देश दिए हैं।

वहीं जिलाधिकारी के सख्त निर्देश है कि यदि किसी स्कूल कालेज में ड्रग टेस्टिंग में कोई विद्यार्थी, बच्चे पासिटिव पाए जाते हैं तो सम्बन्धित डीन, कालेज स्वामी के विरूद्ध अपराधिक कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री के नशामुक्त राज्य के विजन को धरातल पर उतारने को जिला प्रशासन के कड़े कदम उठाते हुए विद्यार्थियों/ किशोंरो को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने कमर ली है। जिला प्रशासन ने आज यूपीईएस कालेज देहरादून में जिला प्रशासन की टीम द्वारा बड़े स्तर पर बच्चों के टेस्टिंग की गई। इस ड्राईव का उद्देश्य विद्यार्थियों, किशोरों को नशे के दुष्प्राभाव से बचाना है। विद्यालयों के आसपास एवं नशा के संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर सीसीटीवी कैमरे लगाने, निजी एवं शासकीय सभी शिक्षण संस्थानों में एंटी ड्रग्स कमेटी में स्कूल के एक छात्र और एक छात्रा को शामिल कर कमेटी को सक्रिय करने, नशीले पदाथी के अवैघ कारोबार की सूचना देने हेतु शिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थानों पर बैनर/पोस्टर के माध्यम से मानस हेल्पलाइन नंबर 1933, एनसीवी मानस पोटर्ल और डिस्ट्रिक्ट डी–एडिक्शन सेंटर हेल्पलाइन नंबर 9625777399 का पोस्टर सभी कार्यालयों में चस्पा कराते हुए इसका व्यापक प्रचार प्रसार कराने और हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाली शिकायतों पर तत्काल एक्शन लेने के निर्देश दिए। अब टेफ्फिक संचालन के दौरान रात्रि में ड्रग टेस्टिंग भी की जाएगी।

किशोर और नाबालिग बच्चों में नशे की प्रवृत्ति को देखते हुए जिलाधिकारी ने चिंता जाहिर करते हुए देहरादून जिले में बच्चों के लिए समर्पित राज्य का पहला एक विशेष नशा मुक्ति केंद्र (रिहैबिलिटेशन सेंटर) का संचालन की प्रक्रिया शुरू हो गई है इसका उद्देश्य कम उम्र में नशे लत में डूब चुके बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने समाज कल्याण विभाग को शीघ्र इसकी गाइडलाइन के साथ प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी के प्रयासों से देहरादून के रायवाला में ओल्ड एज होम में 30 बैडेड नशामुक्ति एवं मानसिक स्वास्थ्य केंद्र का संचालन किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने एम्स से एमओयू करते हुए सातों दिन एम्स में 10 बेड इंटेंसिव थेरेपी के लिए रिजर्व भी किए है। नशे के संकट को दूर करने के लिए जिला प्रशासन ने अपना एंटी ड्रग्स हेल्पलाइन नंबर 9625777399 भी बनवाया है।

जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित दवा फैक्ट्री एवं मेडिकल स्टोर का निरंतर निरीक्षण करने और नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु सघन जांच अभियान चलाने के भी निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी मेडिकल स्टोर पर 10 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से सीसीटीवी स्थापित कराए जाए। जिन मेडिकल स्टोर पर तब भी सीसीटीवी नही लगते है, ड्रग्स इंस्पेक्टर तत्काल उनका लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश दिए है।

जयन्त

संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल

द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित

RNI No.UTTHIN/2005/16338